RNI No: DELMUL/2012/47011

23 नवंबर, 2026 सोमवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 235

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



अब करियर का लक्ष्य है निरंतरता बनाए रखना: ऋषभ पंत 07

कोटा में भीषण सड़क हादसा : 9 श्रद्धालुओं की मौत, 6 घायल

जयपुर, एजेंसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:00 बजे एक भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब महाराष्ट्र के एक ही परिवार के पंद्रह सदस्यों को लेकर जा रही एक तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी शंभूपुरा गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। ये सभी श्रद्धालु राजस्थान में खाटू श्यामजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे।

दिल्ली से कश्मीर तक दवाओं की अवैध सप्लाई के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

- एनसीबी ने पांच लाख से ज्यादा की टैबलेट, कैप्सूल और दवाओं की बोतलें की बरामद

जम्मू, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जम्मू जोनल यूनिट ने दिल्ली जोनल यूनिट के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से कश्मीर घाटी तक फार्मास्युटिकल दवाओं की अवैध सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में दिल्ली के शाहदरा में एक गुप्त गोदाम से पांच लाख से ज्यादा टैबलेट, कैप्सूल और कई दवाओं की बोतलें बरामद की गई हैं। एनसीबी के मुताबिक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 नवंबर 2026 की तड़के जम्मू यूनिट ने उधमपुर जिले के चेनानी स्थित माडा टोल प्लाजा के पास श्रीनगर जा रही एक यात्री बस को रोककर तलाशी ली। इस दौरान डोडा जिले के भद्रवाह निवासी एक व्यक्ति से करीब 7 किलोग्राम कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच में कश्मीर घाटी में कार्रवाई करते हुए अनंतनाग जिले के एक शख्स को पकड़ा, जिसे इस खेप का मुख्य प्राप्तकर्ता बताया जा रहा है। सप्लाई लिंक की जांच दिल्ली तक पहुंचने पर एनसीबी जम्मू और दिल्ली की संयुक्त टीम ने दिल्ली में इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया और 18 नवंबर को 356 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया।



राम कथा सुन लौटे 500 से ज्यादा पाकिस्तानी हिंदू, विदाई के समय भावुक दिखे राजा भैया

- पीएम मोदी से भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग

प्रतापगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में तीन दिन तक श्रीराम कथा में शामिल होने के बाद पाकिस्तान से आए 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी रविवार को वापस लौट गए। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। शरणार्थियों के साथ कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आए ये लोग उनके लिए पराए नहीं, बल्कि अपने ही घर आए हैं।
कुंडा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए पाकिस्तान से 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी पहुंचे थे। तीन दिनों तक इन परिवारों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आयोजकों की ओर से की गई। इस दौरान उन्होंने कथा में हिस्सा लेने के साथ स्थानीय लोगों से मुलाकात की। रविवार को जब इन परिवारों की वापसी का समय आया तो कई लोग अपने मेजबानों से बिछड़ते समय भावुक नजर आए। महिलाएं और अन्य लोग स्थानीय लोगों से मिले अपनत्व को याद करते हुए भावुक हो गए। विदाई के समय राजा भैया भी वहां पहुंचे और शरणार्थियों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। इस दौरान वह भी भावुक नजर आए।
पाकिस्तान से आए परिवारों ने कहा, कुंडा में बिताए गए तीन दिन उनके लिए बेहद खास रहे। यहां उन्हें रहने और खाने की सुविधा मिली और श्रीराम कथा में शामिल होने का अवसर मिला। स्थानीय लोगों के व्यवहार और अपनत्व ने भी उन्हें प्रभावित किया। विदाई के दौरान इन परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत की नागरिकता देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग भी की।

देश के कई राज्यों में बढ़ी ठंड, राजस्थान के 6 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, यूपी के 24 जिलों में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। फतेहपुर में सबसे कम 6.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सीकर में 7.7, उदयपुर में 8.7 और चूरू में 9.5 डिग्री पारा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। उज्जैन में ठंड के चलते आठवीं तक के स्कूलों का समय बदलकर सुबह 9 बजे के बाद कर दिया गया है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। वहीं, झारखंड में खराब मौसम के कारण शनिवार को रांची एयरपोर्ट पर 20 फ्लाइट रद्द और चार को डायवर्ट किया गया।
सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता



शनिवार को भी 'खराब' बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया। दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है। इससे प्रदूषक कण जमीन के पास जमा होने लगते हैं। यही वजह है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में पराली जलाने से उठा धुआं पश्चिमी राजस्थान तक पहुंच रहा है।
रेगिस्तानी इलाकों में रात को तापमान तेजी से गिरता है। इससे थर्मल इन्वर्जन की स्थिति बन सकती है। इस दौरान प्रदूषक कण और धुआं ऊपर फैलने के बजाय निचली हवा में ही फंसे रहते हैं। हवा की ऊपरी परत गर्म होने से प्रदूषण को फैलने का रास्ता नहीं मिलता। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में ठंड बढ़ने लगी है।
चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुलायम सिंह की जयंती पर सपा दफ्तर में हुआ सुंदरकांड का पाठ

- अखिलेश बोले- सपा सरकार बनी तो बढ़ा देंगे यश भारती की सम्मान राशि

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में सुंदरकांड का पाठ किया गया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने पिता और पार्टी संस्थापक को याद करते हुए कहा कि नेताजी सबको साथ लेकर चलने का सिद्धांत देकर गए हैं और समाजवादी पार्टी इसे आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनी तो यश भारती की सम्मान राशि बढ़ाई जाएगी।
अखिलेश यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के पास जो भी मदद के लिए आया, उन्होंने उसकी सहायता की। उन्होंने कहा कि पार्टी पीडीए आंदोलन को आगे बढ़ाएगी और जो लोग रूठे हुए हैं, उन्हें मनाने का प्रयास करेगी। साथ ही जो लोग पार्टी से अलग हो गए हैं, उन्हें भी साथ लाने की कोशिश की जाएगी। अखिलेश यादव ने घोषणा की कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर यश भारती सम्मान की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने उन बच्चों के प्रति आभार जताया, जो समाजवादी पार्टी की सरकार में लैपटॉप मिलने की बात स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के दौरान केटीएमयू और राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों को पीजीआई की तरह सुविधाएं देने का काम किया गया था।
इस अवसर पर अखिलेश ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार कम देगी और ज्यादा छीनेगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हाथ में विकास की रेखा होती है, जबकि कुछ के हाथ में विनाश की।
सीएम योगी ने श्रद्धांजलि अर्पित की
मुलायम सिंह यादव की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने उन्हें पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित नेता बताया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी उन्हें याद किया। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। वह तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और देश के रक्षा मंत्री भी रहे। उनका जन्म 22 नवंबर 1939 को इटावा के सैफई में हुआ था। 10 अक्टूबर 2022 को 82 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ था।

जज की जगह ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर, जांच के आदेश

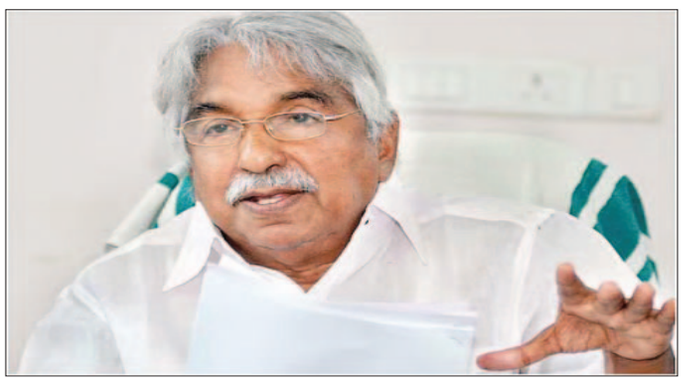
- सहारनपुर में प्रोटोकॉल में बड़ी लापरवाही

प्रतापगढ़, एजेंसी। सहारनपुर(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है, जहाँ शनिवार को पुलिसकर्मियों ने एक न्यायाधीश को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर को गलती से एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को दे दिया। इस गंभीर प्रोटोकॉल में लापरवाही के बाद, जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। एक पुलिस अधीक्षक को इस मामले की विस्तृत जांच सौंपी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गलती किन परिस्थितियों में और कैसे हुई।
यह घटना सहारनपुर सर्किट हाउस में घटी, जब सांसद ओवैसी आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के घर छुटमलपुर जाने से पहले वहां पहुंचे थे। पुलिस प्रोटोकॉल के तहत एक न्यायाधीश के आगमन की तैयारी चल रही थी, जिन्हें सहारनपुर के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन न्यायाधीश के आने से पहले ओवैसी के पहुंचने पर, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें आते ही औपचारिक सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दे दी, जिसे ओवैसी ने भी बड़े ही सहज भाव से पुलिसकर्मियों के सामने सावधान की मुद्रा में खड़े होकर स्वीकार कर लिया। हालांकि, सलामी के कुछ ही देर बाद पुलिसकर्मियों को अपनी गलती का अहसास हुआ। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी सहारनपुर यात्रा के दौरान ओवैसी ने कई राजनीतिक मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून के बजाय बंदूक का राज चल रहा है। भाजपा की बी टीम होने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के गठन की बात कही और दावा किया कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है। इसके बाद, ओवैसी ने छुटमलपुर में चंद्रशेखर आजाद के आवास पर भोजन किया और छत से समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान एआईएमआईएम, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी रही। ओवैसी ने समर्थकों से पूछा कि क्या वे चंद्रशेखर को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, जिस पर भारी भीड़ ने नारेबाजी कर समर्थन जताया।

गलती सुधार कांग्रेस में वापसी करने वालों का हो स्वागत: चांडी ओमन

कांग्रेस विधायक बोले- पार्टी छोड़कर भाजपा में गए कई लोग वापस आना चाहते हैं, सभी के लिए समान नियम हों

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी । कांग्रेस विधायक चांडी ओमन ने रविवार को कहा कि अपनी गलतियां सुधारकर पार्टी में लौटने के इच्छुक सभी लोगों का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापसी के लिए किसी एक व्यक्ति के लिए अलग नियम नहीं होना चाहिए। उनका यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की बेटी और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन की बहन पद्मजा वेणुगोपाल के कांग्रेस में लौटने की इच्छा जताने के सवाल पर आया।
पद्मजा वेणुगोपाल ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में वापस आने की इच्छा जाहिर की है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए चांडी ओमन ने कहा कि जो लोग अपनी



गलतियों को सुधारकर कांग्रेस में लौटना चाहते हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। चांडी ओमन ने कहा कि यह अवसर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में गए सभी लोगों के लिए समान नियम होने चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारने के बाद कोई भी कांग्रेस में वापस आ सकता है और पार्टी को ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए।
कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि भाजपा में शामिल होने वाले कई अन्य लोग भी अब पार्टी में वापस लौटने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को भाजपा में वहां की स्थिति का एहसास हो गया होगा और इसी वजह से वे कांग्रेस में लौटने का फैसला कर रहे हैं। चांडी ओमन ने कहा कि कांग्रेस में लौटने वाले लोगों को अगले पांच साल तक पार्टी के लिए काम करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक पार्टी में वापसी करने वालों को संगठन को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

- बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े, तेजस्वी और लालू यादव जिंदाबाद के लगाए नारे

वैशाली, एजेंसी । बिहार के वैशाली में नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पीएम मोदी और अन्य अतिथियों के लौटते ही कार्यकर्ताओं ने पुल पर बवाल मचा दिया। राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु और बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े और प्रदर्शन किया। शनिवार को राजद नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। वीडियो में राजद के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव जिंदाबाद और लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। नीतीश सेतु पर आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे भी लहराए। वीडियो में आरजेडी कार्यकर्ता बीजेपी के झंडों को कुचलते हुए नजर आ रहे हैं। शनिवार को पीएम मोदी के रवाना होते ही पुल को जनता के लिए खोल दिया गया था, जैसे ही पुल खोला गया, राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु पर पहुंचकर हंगामा शुरु कर दिया। नीतीश सेतु को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। तेजस्वी ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि इस पुल का नाम सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह महाराज के नाम पर रखा जाना चाहिए था लेकिन बीजेपी सरकार ने राजनीति के चलते ऐसा नहीं होने दिया। तेजस्वी ने इसे बीजेपी की संकीर्ण सोच बताया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी भी हमलावर है। पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि अगर बिहार सरकार नीतीश कुमार को सम्मान देना चाहती है तो इसके लिए दूसरे तरीके भी हो सकते थे।

भारत-चीन के बीच टकराव को कम करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा, कमांडर स्तर की 10 दिन तक चलीं बैठकें

नई दिल्ली , एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कड़ाके की ठंड की शुरुआत से ठीक पहले भारत और चीन के बीच दूसरे दौर की कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है। दिवाली के बाद 8 नवंबर को शुरू हुई यह बेहद गोपनीय बातचीत करीब दस दिनों तक चली। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करना और दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले रखना था। इस वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की तीसरी कोर (स्पीयर कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। इस कोर का मुख्यालय नागालैंड के दीमापुर के पास रंगापहाड़ में है। उनके साथ चीनी सेना के प्रतिनिधिमंडल के अलावा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी शामिल रहा।
सूत्रों के मुताबिक, बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच संपर्क के नियम तय करना था। इसके अलावा, सीमा के पास सैनिकों के आमने-सामने आने से होने वाले टकराव को टालना भी महत्वपूर्ण था। इस क्षेत्र में दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जिन बातों पर सहमति बनी है उन्हें भीषण सर्दी शुरू होने से पहले जमीन पर लागू किया जा सकेगा या नहीं, क्योंकि इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के लिए रसद पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता है। पूर्वी सेक्टर में भारत और चीन के बीच पहले दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता इसी साल 6 और 7 सितंबर को वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर हुई थी। किबिथू सेक्टर में स्थित वाचा भारत का सबसे पूर्वी सीमा पर मीटिंग पॉइंट है। यह बैठक ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताकसिंग इलाके में तनाव की खबरों के बाद बुलाई गई थी। इससे पहले अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक की थी। सीमा पर विवाद का एक बड़ा कारण 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच तय हुई मैकमोहन रेखा को चीन द्वारा मान्यता न देना है। अक्टूबर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों का आमना-सामना हुआ है। इस पर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जब चीनी सैनिक तय गश्त के नियमों से भटकते हैं तो एलएसी पर स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है।



संसद का मानसून सत्र बना नया रिकॉर्ड: 100 दिन बाद भी नहीं हुआ सत्रावसान

सत्रावसान नहीं होने को लेकर चिंतित विपक्ष, लग रही साजिश

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय संसद का हालिया मानसून सत्र एक नया और अभूतपूर्व रिकॉर्ड बना चुका है। सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन से भी अधिक हुए हैं, लेकिन अब तक औपचारिक रूप से समाप्त (सत्रावसान) नहीं किया गया है। इससे पहले, वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र बिना औपचारिक समापन के 87 दिनों तक चला था, जो अब तक का सबसे लंबा अंतराल था।
यह मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और लोकसभा व राज्यसभा दोनों की कार्यवाही को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब जबकि शीतकालीन सत्र की घोषणा का समय करीब आ चुका है, इस लंबे अंतराल ने सभी का ध्यान खींचा है। इस असाधारण देरी के पीछे महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर संसद का एक विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की संभावना भी एक बड़ा कारण मानी जा रही है, हालांकि सरकार ने अभी तक इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है। प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए, सरकार हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने या 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है, हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। इस बीच, दिसंबर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है, जबकि एक नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना पड़ता है। ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संविधान में किसी सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के कितने समय बाद उसका सत्रावसान होना चाहिए, इसकी कोई तय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसलिए, लंबे समय तक सत्रावसान न करना अपने आप में किसी संवैधानिक या प्रक्रियागत नियम का उल्लंघन नहीं माना जाता। हालिया मानसून सत्र में संसद की उत्पादकता काफी कम रही। लोकसभा की कुल 19 बैठकें हुईं, जिनमें लगभग 114 घंटे कार्यवाही होनी थी। हालांकि, सदन की कार्यवाही केवल 17 घंटे 30 मिनट ही चली, जिससे लगभग 96 घंटे 30 मिनट का समय बर्बाद हुआ। इसी तरह, राज्यसभा में भी 114 घंटे की संभावित कार्यवाही में से केवल 37 घंटे 24 मिनट ही काम हो सका, यानी लगभग 76 घंटे 36 मिनट का समय बिना काम के बीत गया। यह सत्र विभिन्न मुद्दों पर हंगामे और व्यवधानों के कारण चर्चा से अधिक गतिरोध के लिए याद किया जाएगा।

चार मंजिला इमारत में लगी आग, दो बच्चों समेत आठ लोगों को बचाया

मुंबई, एजेंसी । दक्षिण मुंबई में रविवार तड़के चार मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दो बच्चों समेत आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और इस दौरान दमकल विभाग का एक अधिकारी घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नवजीवन सोसाइटी के पास गिलदार लेन स्थित हीरा मंजिल इमारत की दूसरी मंजिल के एक कमरे में आधी रात के आसपास आग लगी और करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने तीसरी मंजिल पर फंसे एक पुरुष और दो महिलाओं को 'टर्नटेबल लैडर' की मदद से बचाया, जबकि पहली मंजिल से एक बुजुर्ग महिला को सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि चौथी मंजिल के एक कमरे में मौजूद एक पुरुष, एक महिला, एक लड़के और एक लड़की को भी सीढ़ियों के रास्ते निकाला गया।

तमिलनाडु में वीएस बाबू के निधन से खाली हुई कोलाथुर सीट से स्टालिन लड़ेंगे चुनाव?

-डीएमके के नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा स्टालिन दोबारा इस क्षेत्र से मैदान में उतरें

चेन्नई, एजेंसी । तमिलनाडु की कोलाथुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना के चलते राजनीति हलचल तेज हो गई है। इस सीट से विधायक रहे वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट खाली हुई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डीएमके प्रमुख और पूर्व सीएम एमके स्टालिन एक बार फिर इसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। विधानसभा चुनाव में वीएस बाबू ने स्टालिन को हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर किया था।
कोलाथुर सीट लंबे समय तक एमके स्टालिन का मजबूत राजनीतिक क्षेत्र रही है। वह 2011 से लगातार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन हालिया विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार वीएस बाबू ने उन्हें 8,795 मतों से पराजित कर दिया था। इस हार के साथ स्टालिन का लगातार जीत का सिलसिला टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट फिर से चुनावी मुकाबले का केंद्र बन गई है। डीएमके के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि स्टालिन उपचुनाव में दोबारा इस सीट से मैदान में उतरें। पार्टी के सांसद सी रविंद्रन ने भी कहा है कि कार्यकर्ता अपने नेता



को कोलाथुर से चुनाव लड़ते देखना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बारे में अंतिम फैसला स्टालिन को ही करना है। आगामी उपचुनाव डीएमके और टीवीके दोनों के लिए अहम माना जा रहा है। डीएमके के पास इस सीट के जरिए अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने का अवसर होगा। यदि स्टालिन खुद चुनाव लड़ते हैं और उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ता है, तो इसका राजनीतिक असर उनकी पार्टी पर पड़ सकता है। दूसरी ओर टीवीके के लिए अपनी पिछली जीत को दोहराना चुनौती होगी। विधानसभा चुनाव में मिली बड़ी जीत के बाद उपचुनाव से यह भी पता चलेगा कि विजय की पार्टी अपना जनसमर्थन बनाए रखने में कितनी सफल रही।

राजस्थान की संस्कृति का वाहक है पुष्कर मेला



रमेश सर्राफ धमोरा

इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है।

राजस्थान में त्यौहारों, पर्वों एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं।

मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं।

पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं।



पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं, जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है।

पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है।

पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर है। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इन्कार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है।

महाभारत में पुष्कर राज के बारे में लिखा है कि तीनों लोकों में मृत्यु लोक महान है और मृत्यु लोक में देवताओं का सर्वाधिक प्रिय स्थान पुष्कर है। चारों धामों की यात्रा करके भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। यही कारण है कि तीर्थ यात्री चारो धामों की यात्रा के बाद पुष्कर की यात्रा जरूर करते हैं। तीर्थ राज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र भी माना जाता है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल वैकुंठ मंदिर। इनके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। पास में ही एक छोटे से मन्दिर में नारद जी की मूर्ति। एक मन्दिर में हाथी पर बैठे कुबेर तथा नारद की मूर्तियां हैं।

कई आस्थावान लोग पुष्कर परिक्रमा भी करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां आरती होती है। वह दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है। हिन्दुओं के लिए पुष्कर एक पवित्र तीर्थ व महान पवित्र स्थल है। वर्तमान समय में इसकी देख-रेख की व्यवस्था सरकार ने सम्भाल रखी है। अतः तीर्थस्थल की स्वच्छता बनाए रखने में भी काफी मदद मिली है। यात्रियों की आवास व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां आने वाला हर तीर्थयात्री यहां की पवित्रता और सौंदर्य की मन में याद संजो कर ही लौटता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ये दस्तूर बिगड़ा है

विधानसभा के तपोवन सदन में कई सवाल और आक्रोश की घंटियां बज रही हैं और इन्हीं से निकलता राजनीतिक चरित्र भी देख जा सकता है। केवल जल शक्ति विभाग के डाक बंगलों की कलगी पर सतपाल सत्ती के प्रश्न ने बता दिया कि 90 रेस्ट हाउसों की मिट्टी कितनी नुकसानदेह है। यानी डाक बंगलों ने तीन सालों में 1.68 आय बटोर ली, लेकिन व्यय कर दिए तीन करोड़ 70 लाख। अगर इसी अनुपात में सभी विभागों के डाक बंगलों की समीक्षा की जाए, तो घाटे के आतिथ्य में हम करोड़ों गंवा रहे हैं। हिमाचल का दस्तूर इतना बिगड़ चुका है कि सदन में बहस यह नहीं कि एक लाख करोड़ की उधारी कैसे खड़ी हुई या हम इस दलदल से बाहर कैसे निकलेंगे। प्रदेश की बौद्धिक क्षमता में तर्क यह नहीं कि सुशासित राज्य की तस्वीर में नागरिक समाज की तरक्की कैसे होगी। हिमाचल की आय के स्रोत नागरिक समाज से अगर आते भी हैं, तो उसके द्वारा किए गए मदिरा सेवन की तारीफ होती है। इस बार तपोवन सदन में ढोल इस कद्र पीटे जा रहे हैं कि हम सुबह, दोपहर, शाम कुछ राजनीति क्षत्रपों का हुंकारा देख सकते हैं। इनकी लंबाई मापने के लिए फिर जिलों के विभाजन का प्रश्न धौलाधार की सूखी पहाडियों से मुखातिब है। भले ही कांगड़ा जिला का कोई भी नेता अपने विधानसभा क्षेत्र के बाहर स्वीकार्य न हो, लेकिन तुर्रा यह कि उसकी हद में नए जिला का मुख्यालय बन जाए। आशीष बुटेल को पालमपुर, तो यादविंदर गोमा को भी एक अदद जिला चाहिए। वहम की दुकानदारी मंडी और शिमला के वर्चस्व में कीलें बेच रही है, तो हजारों सवालों पर यह प्रश्न भारी है कि नए जिलों के आधार पर सियासी चोंच लंबी नजर आएगी। कुछ हारे और नकारे नेताओं के लिए भी यह एक अवसर है जबकि इस बहाने कमजोर सियासत का लाव लश्कर जिलों के गठन में मसरूफ हो जाएगा। ऐसे में सोचना यह भी होगा कि हिमाचल के मसलों पर हमारी दृष्टि भी संकीर्ण है या एक विशेष प्रकार का तुष्टिकरण यहां ईजाद हो चुका है। हमारी बजटीय व्यवस्था भले ही खोखली हो, लेकिन वित्तीय प्रबंधन पर कोई विशेष उपचार नहीं। नए जिलों का गठन का एक व्यावहारिक पक्ष हो सकता है, लेकिन इनकी बुनियाद पर खेल रही राजनीति वर्षों से प्रयासरत है। पिछले कुछ सालों से बड़े जिलों के बजाय छोटे जिलों की सियासत प्रभावी रही, तो मानना पड़ेगा कि प्रदेश में नए क्षत्रप इस महत्त्वाकांक्षा में जी रहे हैं। कायदे से अगर पुनर्गठन करते हुए सियासी, भौगोलिक और सांस्कृतिक समानता विकसित करनी हो तो किन्नौर और लाहुल-स्पीति जिलों की एक-एक सीट के अलावा राज्य में ग्यारह अन्य जिले छह-छह विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित करने होंगे। इस तरह प्रदेश में कुल तेरह जिले हो जाएंगे। इस फार्मूले से मंडी में कांगड़ा का कुछ भाग जा सकता है ताकि वहां दो जिले बनें, जबकि कांगड़ा की आबरू से एक और जिला बन सकता है। बिलासपुर और कुल्लू जिला इस तरह मौजूदा चार विधानसभा क्षेत्रों से बढ़ कर छह क्षेत्रों के हो जाएंगे।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है। कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं। तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

चीन-पाकिस्तान गठजोड़: भारत की सुरक्षा के लिए सामने नई चुनौती



सनत जैन

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने चीन और पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य एवं रणनीतिक गठजोड़ एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंध रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन संबंधों का दायरा जिस तेजी से बढ़ा है, उसने दक्षिण एशिया के सामरिक समीकरणों को प्रभावित किया है। अब यह गठजोड़ केवल भारत-पाकिस्तान सीमा तक सीमित नहीं है। बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। चीन और पाकिस्तान की नजदीकी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सैन्य सहयोग है। पाकिस्तान अपनी रक्षा जरूरतों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। लड़ाकू विमानों, मिसाइल प्रणालियों, नौसैनिक उपकरणों और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में चीन की सरकार, भारत पर दबाव बढ़ाने के लिए पाकिस्तान की मदद कर रहा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा उत्पादन से जुड़े समझौते भी इस सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं में बड़ा बदलाव आया है। भारत के लिए अब अपनी सुरक्षा, व्यापारिक एवं भौगोलिक रणनीति की समीक्षा करना आवश्यक हो गया है। इस गठजोड़ की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी हिंद महासागर है। भारत के लिए हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और सामरिक हितों का आधार भी है। चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से अरब सागर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन की समुद्री गतिविधियों और क्षेत्रीय बंदरगाहों में बढ़ते निवेश को भारत के रणनीतिक हितों के संदर्भ में देखा जाना जरूरी है।

इस पूरे घटनाक्रम को केवल सैन्य खतरे के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। चीन भारत की आर्थिक निर्भरता को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बना रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों, बैटरी और औद्योगिक उत्पादन से जुड़े कई क्षेत्रों में भारत की चीनी आयात पर निर्भरता एक बड़ी चुनौती है। अमेरिकी आयोग की नवंबर 2026 की रिपोर्ट ने भी इस निर्भरता को भारत की आर्थिक और सामरिक कमजोरियों में शामिल किया है। सवाल यह है कि भारत इस बदलते परिदृश्य में अपनी स्थिति कैसे मजबूत करेगा? क्या केवल अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने से चीन और पाकिस्तान की चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है? इसका जवाब है, भारत को अपनी स्वतंत्र सामरिक क्षमता विकसित करनी होगी। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता, आधुनिक तकनीक, साइबर सुरक्षा, खुफिया तंत्र और नौसेना की ताकत बढ़ाना समय की मांग है। जापान, फ्रांस, अमेरिका और अन्य मित्र देशों के साथ सहयोग और रिश्तो को मजबूत करना होगा। भारत को यह भी समझना होगा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्थायी मित्रता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं। इसलिए किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत के दीर्घकालिक हितों को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखने के साथ सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। भारत इस मामले में अभी अलग-थलग पड़ गया है।

वास्तविक चुनौती चीन या पाकिस्तान के गठजोड़ से भयभीत होने की नहीं, बल्कि उसके मुकाबले अपनी आर्थिक, तकनीकी, कूटनीतिक और सैन्य शक्ति को मजबूत करने की है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा आबादी, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका की महत्वपूर्ण क्षमताएं हैं। जरूरत इन क्षमताओं को ठोस राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की जरूरत है। आखिरकार, भारत की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों और हथियारों से सुनिश्चित नहीं होगी। मजबूत अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग, समुद्री शक्ति और दूरदर्शी विदेश नीति भी उतनी ही जरूरी हैं। पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्तों को भी भारत को बेहतर बनाना होगा। चीन-पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है। इस चेतावनी को गंभीरता से लेते हुये भारत को अपनी विदेश नीति एवं दीर्घकालिक रणनीति को तैयार करना होगा। समय रहते यदि यह बदलाव नहीं किया गया तो आगे आने वाले सालों में भारत को काफी बड़ा नुकसान हर स्तर पर हो सकता है।

कौशल विकास से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना



सौरभ वार्ष्णेय

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां युवाओं की बड़ी आबादी देश की सबसे महत्वपूर्ण ताकत मानी जाती है। लेकिन केवल युवा आबादी होने से कोई राष्ट्र विकसित नहीं बन सकता। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के योग्य बनाया जाए और उनकी प्रतिभा को सही दिशा में विकसित किया जाए। आज जब दुनिया तेजी से तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास किसी भी देश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में इसी विषय को केंद्र में रखते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत कौशल को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता है। उनका यह संदेश केवल आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए नहीं, बल्कि देश की पूरी शिक्षा और रोजगार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत में कौशल और कारीगरी की परंपरा सदियों पुरानी रही है। लखनऊ की चिकनकारी, बनारस की रेशमी साडियां, कश्मीर की पश्मीना, कांजीवरम सिल्क, मलमल, कलमकारी और धातु शिल्प जैसे पारंपरिक हुनर भारतीय संस्कृति और आर्थिक समृद्धि की पहचान रहे हैं। भारतीय कारीगरों की दक्षता का लोहा दुनिया मानती रही है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में गुजरात की वसावाया परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि पुराने समय में गांव बसाने के साथ ही वहां जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले कुशल कारीगरों को भी बसाया जाता था। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में कौशल और श्रम का महत्व कितना व्यापक था। लेकिन समय के साथ कौशल आधारित व्यवसायों की सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती गई और डिग्री आधारित शिक्षा को सफलता का प्रमुख पैमाना मान लिया गया।

औपनिवेशिक शासन के दौरान विकसित हुई शिक्षा व्यवस्था ने भी इस मानसिकता को बढ़ावा दिया। व्यावहारिक ज्ञान और कारीगरी की अपेक्षा कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों को अधिक महत्व दिया जाने लगा। स्वतंत्रता के बाद भी लंबे समय तक इस सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। परिणामस्वरूप युवाओं में सामान्य डिग्री हासिल करने और सरकारी नौकरी पाने की प्रतिस्पर्धा बढ़ती गई, जबकि तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया। आज स्थिति यह है कि एक तरफ शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटकते हैं और दूसरी तरफ उद्योगों को योग्य तकनीकी कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ता है। यह विरोधाभास बताता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच अभी भी बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने आईटीआई के विस्तार और कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, पिछले एक दशक में लगभग पांच हजार नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में पांच लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। विशेष रूप से लड़कियों की भागीदारी में ढाई गुना से अधिक वृद्धि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाती है। यह सकारात्मक बदलाव है, क्योंकि देश के औद्योगिक और तकनीकी विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की जरूरत है।

आज रोजगार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ड्रोन तकनीक, ग्रीन हाइड्रोजन, औद्योगिक रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। ऐसे में आईटीआई के पाठ्यक्रमों में इन आधुनिक ट्रेडों को शामिल करना महत्वपूर्ण कदम है। अब तकनीकी प्रशिक्षण केवल पारंपरिक मशीनों के संचालन तक सीमित नहीं रह सकता। युवाओं को नई तकनीकों के इस्तेमाल, उनकी मरम्मत, रखरखाव और विकास से जुड़ा ज्ञान भी देना होगा। प्रधानमंत्री ने पीएम-सेतु योजना के तहत 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश का उल्लेख करते हुए प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक बनाने और उद्योगों से जोडने की आवश्यकता पर बल दिया है।

हालांकि, कौशल विकास की सफलता केवल नए संस्थान खोलने और नए पाठ्यक्रम शुरू करने से सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधुनिक प्रयोगशालाएं, योग्य प्रशिक्षक और उद्योगों के साथ व्यावहारिक तालमेल भी जरूरी है। आईटीआई से निकलने वाले युवाओं को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों में काम करने का अनुभव मिलना चाहिए। अप्रेंटिसशिप और उद्योग आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देना होगा, ताकि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं को रोजगार के लिए भटकना न पड़े। साथ ही समय-समय पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करके उन्हें बाजार की जरूरतों के अनुरूप बनाना भी आवश्यक है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के बढ़ते प्रभाव को लेकर युवाओं में रोजगार समाप्त होने की आशंकाएं भी दिखाई देती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि नई तकनीक कई पारंपरिक कार्यों का स्वरूप बदल रही है, लेकिन इसके साथ नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी का उदाहरण देते हुए बताया कि संकट के समय कुशल श्रमिकों ने महत्वपूर्ण सेवाओं को जारी रखने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका यह संदेश कि हुनरमंद व्यक्ति के लिए अवसरों की कमी नहीं होती, युवाओं को लगातार सीखने और अपनी दक्षता बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में वही युवा आगे बढ़ सकेंगे, जो तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को तैयार रखेंगे।

देश में बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार ने भी कुशल श्रमिकों की मांग बढ़ाई है। आवास निर्माण, सड़क, एक्सप्रेसवे, बिजली, जलापूर्ति और औद्योगिक परियोजनाओं में इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, बढ़ई, राजमिस्त्री और तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री ने पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के अभियान के दौरान प्लंबरों की कमी का उदाहरण देकर यह स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए प्रशिक्षित कामगारों की कितनी जरूरत है। इसी तरह सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी निर्माण और खेल उपकरण उद्योग में भी कुशल युवाओं के लिए नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में भी कौशल विकास की संभावनाएं व्यापक हैं। राज्य में एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारों, मोबाइल निर्माण इकाइयों, रक्षा उत्पादन और पर्यटन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है। इन परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध कराना राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकता है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2027 में ग्रेटर नोएडा में वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता आयोजित किए जाने की घोषणा की है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश और भारत के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगा। इसके साथ ही राज्य में कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ सकती है।

कौशल विकास का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन, कृषि मशीनरी, हस्तशिल्प और ग्रामीण उद्योगों से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम गांवों के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोल सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन का दबाव भी कम किया जा सकेगा। विशेष रूप से छोटे कस्बों और पिछड़े जिलों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार करना आवश्यक है।

इसके साथ ही कौशल प्राप्त युवाओं को उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। केवल प्रमाणपत्र देकर युवाओं को रोजगार के बाजार में छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले अनेक कुशल श्रमिक आज भी कम पारिश्रमिक और अस्थिर रोजगार की समस्या से जूझ रहे हैं। यदि देश को वास्तव में कौशल आधारित अर्थव्यवस्था बनाना है तो श्रम का सम्मान और श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। समाज की सोच में भी बदलाव लाना होगा, ताकि किसी तकनीकी काम को छोटा न समझा जाए।

कौशल विकास के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण है। हर युवा को नौकरी देना संभव नहीं है, लेकिन प्रत्येक युवा को ऐसा हुनर दिया जा सकता है, जिसके आधार पर वह अपना व्यवसाय शुरू कर सके। इसके लिए आसान ऋण, बाजार तक पहुंच, आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना होगा। छोटे उद्योगों और स्थानीय उत्पादन इकाइयों को प्रोत्साहित करके युवाओं को रोजगार देने वाला उद्यमी बनाया जा सकता है। विकसित भारत का सपना केवल बड़े उद्योगों, आधुनिक शहरों और विशाल परियोजनाओं से पूरा नहीं होगा। इसके लिए देश के करोड़ों युवाओं को शिक्षित, प्रशिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना होगा। डिग्री के साथ हुनर, शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण के साथ सम्मानजनक रोजगार की व्यवस्था ही भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। लखनऊ के कौशल दीक्षांत समारोह से निकला संदेश भी यही है कि देश की वास्तविक ताकत उसके कुशल हाथों और मेहनतकश युवाओं में छिपी है।

बेटे की चाह में 8 माह के मासूम का अपहरण

ट्रक से अलीगढ़ पहुंचाया; दंपती समेत 3 गिरफ्तार

वेब वार्ता, नई दिल्ली

बेटे की चाहत में एक दंपती ने रिश्तेदार ट्रक चालक के साथ मिलकर दिल्ली से 8 माह के मासूम बच्चे का अपहरण कर लिया। आरोपी बच्चे को ट्रक में बैठाकर अलीगढ़ ले गए और वहां दंपती को सौंप दिया। पूर्वी जिला की मंडावली थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक समेत दंपती को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि बच्चे को अगवा करने के बदले ट्रक चालक को 1 लाख रुपये देने का वादा किया गया था।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के सिकंदरपुर (सुरीर) निवासी ट्रक चालक ऋषिपाल (40), अलीगढ़ जिले के टप्पल क्षेत्र स्थित वाजिदपुर गांव निवासी छत्रु (50) और उसकी पत्नी कुसमा (45) के रूप में हुई है। छत्रु ने ऋषिपाल को बच्चा लाकर देने के बदले 1 लाख रुपये देने का आश्वासन दिया था। पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर अपहरण की पूरी साजिश और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि लक्ष्मी नामक महिला ने अपने 8 माह के बेटे के अपहरण की शिकायत मंडावली थाने में दर्ज कराई थी। पीड़िता पेशे से ई-रिक्शा चालक है और उसने अपने बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी ज्योति नामक महिला को सौंप रखी थी।

शिकायत के अनुसार, घटना के समय ज्योति बच्चे को लेकर पांडव नगर में कुछ सामान लेने गई थी। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उसके पास आया और बातचीत करने लगा। बातचीत के बीच आरोपी मौका पाकर बच्चे को लेकर फरार हो गया। घटना के बाद ज्योति ने इसकी जानकारी बच्चे की मां को दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति बच्चे को लेकर भागता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के भागने के रास्ते और उसके वाहनों की जानकारी जुटानी शुरू की।जांच में सामने आया कि बच्चा लेकर भागने के बाद आरोपी एक ई-रिक्शा में सवार हुआ और अक्षरधाम मंदिर के पास पहुंचा। वहां पहले से खड़े टाटा-407 ट्रक में उसने बच्चे को बैठा दिया। इसके बाद ट्रक नोएडा की दिशा में रवाना हो गया।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर ट्रक के पंजीकरण नंबर की जानकारी जुटाई। वाहन की पहचान होने के बाद पुलिस ने उसके चालक ऋषिपाल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बच्चे को अलीगढ़ ले जाकर दंपती को सौंपने की बात बताई।ऋषिपाल से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने अलीगढ़ जिले के वाजिदपुर गांव में छापेमारी की। वहां से अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने मौके से छत्रु और उसकी पत्नी कुसमा को भी गिरफ्तार कर लिया। इस तरह पुलिस ने अपहरण की वारदात के 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस की पूछताछ में अपहरण की वजह को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। पुलिस के मुताबिक, पेशे से किसान छत्रु के पहले से 3 बेटियां हैं। वह परिवार का वंश आगे बढ़ाने के लिए बेटा चाहता था। इसी चाहत में उसने बच्चा गोद लेने के विकल्प पर भी विचार किया था, लेकिन पहले से तीन बेटियां होने के कारण उसे बच्चा गोद नहीं मिल पा रहा था।करीब एक साल पहले छत्रु ने इस बारे में ऋषिपाल से चर्चा की थी। इसके बाद ऋषिपाल ने उसे बच्चा उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। इसके बदले छत्रु और कुसमा ने उसे 1 लाख रुपये देने का वादा किया था। आरोप है कि इसी योजना के तहत ऋषिपाल ने दिल्ली से मासूम का अपहरण किया और उसे अलीगढ़ पहुंचाकर दंपती को सौंप दिया।पुलिस के अनुसार, बच्चा मिलने के बाद दंपती ने ऋषिपाल को 2 से 3 दिनों के भीतर रकम देने की बात कही थी, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया। फिलहाल मासूम बच्चे को सुरक्षित उसकी मां के सुपुर्द करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि इस साजिश में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं।

रोहित गोदारा गिरोह के 3 शूटर गिरफ्तार, 5 करोड़ की रंगदारी के लिए की थी फायरिंग

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा गिरोह के 3 कथित शूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन्होंने 5 करोड़ रुपये की रंगदारी नहीं मिलने पर 28 अक्टूबर को पीतमपुरा में एक व्यापारी के घर के बाहर गोलीबारी की थी। पुलिस ने रोहिणी इलाके में पीछा कर तीनों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान निखिल कुमार, शुभम और मोक्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 2 अर्धस्वचालित पिस्तौल, 1 देसी कट्टा, 12 कारतूस, वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और कार बरामद की है।जांच के अनुसार, व्यापारी साहिल जैन उर्फ गूगल से रोहित गोदारा गिरोह ने 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। रकम देने से इनकार करने पर गिरोह के शूटरों ने व्यापारी के घर के बाहर और उनकी कार पर गोलियां चलाई थीं। पुलिस के मुताबिक, मोक्ष गिरोह के विदेशी संचालकों और स्थानीय बदमाशों के बीच संपर्क का काम करता था। उसने निखिल को पैसों और आलीशान जीवनशैली का लालच देकर गिरोह में शामिल किया था। गोलीबारी के लिए निखिल को 50 हजार रुपये देने की बात तय हुई थी, जबकि शुभम भी साजिश में शामिल था। अपराध शाखा की टीम ने तकनीकी और स्थानीय निगरानी के आधार पर 500 किलोमीटर से अधिक दूरी तक आरोपितों का पीछा किया और शुक्रवार को रोहिणी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब फरार आरोपित प्रदीप की तलाश के साथ गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है।

प्रॉपर्टी डीलर को अगवा करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुराने आपराधिक मामले में गवाही देने से रोकने और केस वापस लेने के लिए प्रॉपर्टी डीलर को अगवा करने वाले आरोपी को बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार उर्फ मक्की टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सक्रिय सदस्य है। आरोपी प्रॉपर्टी डीलर को अगवा कर कई जगह ले गया और पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर उससे जबरन समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कराए थे। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के एक साथी को गिरफ्तार कर चुकी थी, जबकि पवन वारदात के बाद से फरार था।

जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि अकबरपुर माजरा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर राकेश कुमार ने 29 अक्तूबर को अलीपुर थाने में



शिकायत दी। जिसमें उन्होंने बताया कि 27 अक्तूबर को नरेंद्र उर्फ भोलू ने उन्हें घर के बाहर बुलाया। इसके बाद काले रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन कार में जबरन बैठाकर अगवा कर लिया। गाड़ी में पवन उर्फ मक्की पहले से मौजूद था। आरोपियों ने उन्हें पल्ला-जंगोला रोड और बख्तावरपुर में सुनील तंवर उर्फ राजू के कार्यालय समेत कई जगहों पर ले जाकर बंधक बनाए रखा। इस दौरान आरोपियों ने उसपर अलीपुर थाने में दर्ज पुराने मुकदमे को वापस लेने और पवन मक्की व उसके साथियों के खिलाफ बयान नहीं देने का दबाव बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पवन ने पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी और डराकर उसकी इच्छा के खिलाफ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करा लिए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने मामले की जांच करते हुए 30 अक्तूबर को नरेंद्र उर्फ भोलू को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो-एन भी बरामद की गई। हालांकि पवन मक्की गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। उसने रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका भी दायर की थी, जिसे छह नवंबर को अदालत ने खारिज कर दिया। इसके बाद उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए बाहरी उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ की टीम उसकी संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की और तकनीकी निगरानी के साथ मुखबिरों से जानकारी जुटाई। पुलिस ने कई दिनों की तलाश के बाद पुलिस ने 21 नवंबर को पवन कुमार उर्फ मक्की को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सक्रिय सदस्य है। उसके खिलाफ अलीपुर में वर्ष 2012 में दर्ज दंगा और हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं का मामला, सोनीपत के कुंडली थाने में 2026 का मामला और अलीपुर में 2026 के दो अन्य आपराधिक मामलों में संलिप्तता दर्ज है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और समझौता पत्र की बरामदगी के साथ अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

बीस करोड़ की साइबर ठगी का पर्दाफाश

वेब वार्ता, नई दिल्ली



दिल्ली पुलिस ने 5 दिवसीय अंतरराज्यीय अभियान चलाकर बड़े साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पश्चिमी जिला साइबर थाना पुलिस ने 22 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह देशभर में 22,139 लोगों से 20 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है।

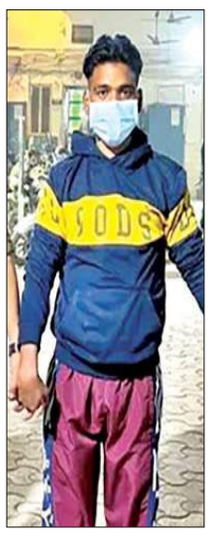
पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार, 11 से 15 नवंबर तक 7 विशेष टीमों के 64 पुलिसकर्मियों ने झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में 17 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 63 मोबाइल फोन, 2 लैपटॉप, 2 मैकबुक और 1 टैबलेट बरामद किया गया। जांच में पता चला कि गिरोह मुख्य रूप से बुजुर्गों को निशाना बनाता था। आरोपी बैंक अधिकारी बनकर जीवन प्रमाणपत्र सत्यापन, बैंक संबंधी जानकारी, केवाईसी अद्यतन और ऋण कार्ड की सीमा बढ़ाने का झांसा देते थे। इसके बाद वाट्सऐप पर एपीके फाइल भेजकर मोबाइल में सेंध लगाते थे।

फाइल डाउनलोड होते ही आरोपितों को पीड़ित के मोबाइल में मौजूद निजी जानकारी, संदेश, ओटीपी, बैंकिंग विवरण और अन्य सूचनाओं तक पहुंच मिल जाती थी। इसके जरिए वे बैंक खातों और ऋण कार्ड से रकम निकाल लेते थे।पुलिस के अनुसार, गिरोह की गतिविधियां राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल की 2,080 शिकायतों से भी जुड़ी मिली हैं। आरोपितों में ठगी के शिकायतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के नेटवर्क की जांच कर रही है।

पुलिस ने 22 आरोपितों को गिरफ्तार किया

लिए इस्तेमाल होने वाली एपीके फाइल और तकनीकी पैनल तैयार करने वाले लोग भी शामिल हैं।पुलिस ने बताया कि कार्रवाई के बाद दिल्ली में एपीके फाइल के माध्यम से होने वाली ठगी की

युवक पर चाकू से वार कर फरार हुआ हिस्ट्रीशीटर उमेश पकड़ा गया



नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मंडोली में करीब 40-45 दिन पुरानी कहासुनी को लेकर हुए विवाद में एक युवक के पेट में चाकू घोंपकर हत्या की कोशिश करने के मामले में हर्ष विहार थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान मंडोली एक सटेंशन निवासी उमेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले भी हत्या के एक मामले में शामिल रहा है। वारदात के करीब 12 घंटे के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद करने का प्रयास कर रही है। शुक्रवार रात रात करीब साढ़े नौ बजे चार खंभा, मंडोली के पास चाकूबाजी की सूचना पुलिस को मिली थी। घायल संदीप उर्फ अमन (27 वर्ष) को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल का बयान दर्ज किया। संदीप ने बताया कि करीब 40-45 दिन पहले उसके भाई रोबिन और उमेश के बीच झगड़ा हुआ था। इसी पुरानी रंजिश को लेकर उमेश ने विवाद के दौरान उस पर चाकू से हमला कर दिया। घायल के बयान पर हर्ष विहार थाने में 21 नवंबर को हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसएचओ तेज दत्त गौर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई ठिकानों पर छापामारी कर उमेश को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

रघुबीर नगर में इमारत में आग लगने से एक महिला की मौत, बेटा-बहू झुलसे

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के रघुबीर नगर में शनिवार को एक रिहायशी इमारत में आग लगने से 55 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा और बहू झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान सुनीता के रूप में हुई है, जबकि उनके बेटे ध्रुव (20) और बहू नीति (21) भी हादसे में झुलस गए हैं।शुरुआती जानकारी के अनुसार, दोपहर के आसपास एक घर की पहली मंजिल पर आग लग गई, जिसके बाद पूरे घर में तेजी से धुआं फैल गया और परिवार के सदस्य अंदर ही फंस गए। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों और परिवार के सदस्यों ने ध्रुव और नीति को तो बचा लिया एवं उन्हें गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल ले गए, लेकिन सुनीता एक कमरे के अंदर ही फंसी रह गईं। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से, हथौड़े का इस्तेमाल करके बगल की दीवार तोड़ी और सुनीता को बाहर निकाला। आपात कार्रवाई वाहन के कर्मचारी सुनीता को गुरू गोबिंद सिंह अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि ध्रुव की हालत स्थिर होने के कारण इलाज के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि नीति को आगे के इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।शुरुआती पूछताछ में ध्रुव ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी पत्नी नीति के चीखने की आवाज सुनी और उसे बचाने के लिए बालकनी से दौड़कर अंदर गया। ध्रुव ने पुलिस को बताया कि भीषण गर्मी और लपटों के कारण वह अपनी मां तक नहीं पहुंच सका, जो कमरे के अंदर ही फंसी रह गईं।स्थानीय लोगों के अनुसार, घर में पूजा-पाठ चल रहा था। आशंका है कि आग एक जलते हुए दीये से परदों में लगी होगी। पुलिस ने बताया कि आग लगने के असली कारण का पता फोरेंसिक जांच और बिजली के उपकरणों के निरीक्षण से चलेगा तथा मामले की जांच जारी है।

पश्चिम दिल्ली के जनकपुरी में तेज कार ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, कई लोग घायल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जनकपुरी में शनिवार दोपहर एक तेज़ रफ़्तार कार के ई-रिक्शा से टकरा जाने के कारण कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि ई-रिक्शा पहले दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की एक खड़ी बस से टकराया और फिर पलट गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घायलों में एक महिला और एक पुरुष को गंभीर चोटें आई हैं। दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक घायलों को एम्बुलेंस से हरि नगर के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया। टक्कर के बाद चालक अपनी कार लेकर मौके से भाग गया।

सड़क सुरक्षा व्यवस्था की और अधिकारियों की जवाबदेही तय हो: ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

नई दिल्ली। पांच साल में वाहनों के चालानों की संख्या में चार गुना और जुर्माने की रकम में छह गुना बढ़ोतरी होने के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश नहीं लग रहा है। देश में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या तकरीबन 9.3 फीसदी बढ़ गई है। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने इस पर चिंता जताते हुए सड़क सुरक्षा की उच्चस्तरीय समीक्षा और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।एसोसिएशन का कहना है कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक देश में 55 हजार से ज्यादा हाईटेक कैमरे लगाए गए हैं। पांच वर्षों में औसत वार्षिक चालान की संख्या 2 करोड़ से बढ़कर 8 करोड़ हो गई है। जुर्माने से होने वाली वसूली 1,800 करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 12 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।इसके बावजूद पांच वर्षीय अवधि में सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या 7.36 लाख से बढ़कर 8.04 लाख हो गई है।

यमुना सफाई के लिए दिल्ली में बनेंगे 2 नए एसटीपी, खर्च होंगे 874 करोड़

वेब वार्ता, नई दिल्ली



यमुना नदी को 2029 तक स्वच्छ बनाने की योजना के तहत दिल्ली में 2 नए सीवेज उपचार संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने रिठाला और इंद्रप्रस्थ मेट्रो स्टेशन के पास बनने वाले इन संयंत्रों के लिए 874.49 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। दोनों संयंत्रों की कुल क्षमता 55 मिलियन गैलन प्रतिदिन होगी।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की सशक्त समिति ने 12 नवंबर को इस परियोजना को मंजूरी दी। इसके तहत रिठाला में 35 मिलियन गैलन क्षमता का संयंत्र 509.54 करोड़ रुपये और इंद्रप्रस्थ के पास सेन नर्सिंग होम नाले पर 20 मिलियन गैलन क्षमता का संयंत्र 362.95 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। रिठाला संयंत्र उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के बड़े क्षेत्र के गंदे पानी का शोधन करेगा। वहीं, इंद्रप्रस्थ में नया संयंत्र बनने से सेन नर्सिंग होम नाले के माध्यम से यमुना में गिरने वाले अशोधित पानी को रोकने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में वर्तमान में 814 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज शोधन की व्यवस्था है। पुराने संयंत्रों के उन्नयन से दिसंबर 2027 तक क्षमता में 56 मिलियन गैलन प्रतिदिन की वृद्धि होगी। इसके अलावा, 35 विकेंद्रित सीवेज उपचार संयंत्रों से 170 मिलियन गैलन प्रतिदिन की अतिरिक्त क्षमता विकसित की जाएगी।दिल्ली में 2028 तक सीवेज शोधन क्षमता बढ़ाकर 1500 मिलियन गैलन प्रतिदिन करने का लक्ष्य है। इसके लिए 13 नए संयंत्र स्थापित करने की योजना है, जिनकी कुल क्षमता 328 मिलियन गैलन प्रतिदिन होगी। इन परियोजनाओं पर लगभग 7373 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

शास्त्रीय संगीत की धुनों से गूंज उठीं राजधानी की फिजाएं



नई दिल्ली। सर्दियां आ गई हैं, और इसके साथ ही दिल्ली के संगीत प्रेमियों के लिए बड़े उत्सवों का दौर भी शुरू हो गया है। इन्हीं उत्सवों में शुमार सामापा संगीत सम्मेलन, जो देश-विदेश के संगीत प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करता है का आज आगाज़ हुआ। यह फेस्टिवल का 22वां एडिशन है जो आज 21 और रविवार 22 नवंबर 2026 को कमानी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है, जो दोनों ही दिन दर्शकों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की धुनों से गुंजायमान करेगा। सम्मेलन की शुरूआत दीप प्रज्जवलन एवं स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरसवती वंदना से हुई। जिसके बाद संगीतमय संध्या की शुरुआत स्वाति तिवारी के गायन से हुई, इस प्रस्तुति में पंडित शुभ महाराज तबला और ललित सिसोदिया हारमोनियम ने उनका साथ दिया। स्वाति ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत राग नारायणी से की। इसमें विलंबित एकताल में एक बड़ा ख्याल प्रस्तुत किया, जिसके बोल थे -बहाना रे बिचार भलो गिरि भलो। इसके पश्चात तीनताल में एक बंदिश, जिसके बोल हैं - सखी री गावो री आज पेश किया। स्वाति ने अपनी प्रस्तुति का समापन उप-शास्त्रीय गायन यानी ठुमरी या टप्पा की प्रस्तुति के साथ किया। स्वाति के बाद पंडित रूपक कुलकर्णी ने बांसुरी वादन प्रस्तुत किया। इसमें उजित उदयकुमार तबला और डॉ. अंकित पारिख पखावज उनके साथ रहे। उन्होंने शाम का राग प्रस्तुत किया, जो उनके मैहर घराने के हिसाब से ध्रुपद चेहरी में आलाप-जोड़-झाला था। पहले दिन की अंतिम प्रस्तुति उस्ताद वसीफुद्दीन डागर के ध्रुपद की रही। जिसमें पंडित मोहन श्याम शर्मा पखावज ने उनका साथ दिया। उन्होंने भी देर शाम का राग प्रस्तुत किया। उनके परिवार में अलग तरीके से बजाया जाने वाला ललिता गौरी भी उनकी प्रस्तुति में शामिल रहा।

झलकारी बाई की जयंती पर नेताओं ने किया नमन

नई दिल्ली। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना एवं रानी लक्ष्मीबाई की सेना में महिला योद्धा दल 'दुर्गा दल' की साहसी योद्धा झलकारी बाई की जयंती पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने उनको नमन किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ''प्रथम स्वाधीनता संग्राम में महारानी लक्ष्मीबाई के साथ शौर्य और स्वाभिमान की अमर गाथा लिखने वाली वीरांगना झलकारी बाई कोरी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उनका साहस और संघर्ष युगों-युगों तक राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करता रहेगा।''राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पोस्ट में लिखा, ''1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना एवं रानी लक्ष्मीबाई की सेना में महिला योद्धा दल 'दुर्गा दल' की साहसी योद्धा झलकारी बाई की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन! उनका अदम्य साहस, शौर्य और मातृभूमि के प्रति अटूट निष्ठा भारतीय इतिहास की अमूल्य विरासत है।

युवाओं के लिए नया मंच बना 'कॉकरोच क्लब'

हंसी-मजाक के साथ विचारों की बहस को मिलेगा बढ़ावा



नई दिल्ली, 22 नवंबर (वेब वार्ता)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने युवाओं को विचारों के आदान-प्रदान, स्वतंत्र चिंतन और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से 'कॉकरोच क्लब' की शुरुआत की है। यह मंच केवल राजनीतिक चर्चाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यहां साहित्य, इतिहास, समाज, सिनेमा, हास्य और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलेगा। क्लब के पहले कार्यक्रम की तस्वीरें सामने आने के बाद यह पहल चर्चा का विषय बन गई है। वहीं, पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके इस आयोजन में दिखाई नहीं दिए। उनकी अनुपस्थिति के बीच गोवा के एक गांव में भूमि विवाद और ग्रामीणों के अधिकारों को लेकर उनकी सक्रियता सामने आई है। सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता सौरभ दास ने क्लब की अवधारणा साझा करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य युवाओं के लिए ऐसा खुला मंच तैयार करना है, जहां वे एक साथ बैठकर विचारों पर चर्चा कर सकें, सवाल पूछ सकें और नई चीजें सीख सकें। इस मंच के माध्यम से गांधी, जवाहरलाल नेहरू, डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित अन्य महान विचारकों के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्लब में केवल वैचारिक चर्चाएं ही नहीं होंगी, बल्कि फिल्मों के प्रदर्शन, सामूहिक संवाद और विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। युवाओं को पढ़ने, अध्ययन करने और परीक्षाओं की तैयारी के लिए शांत वातावरण उपलब्ध कराने की योजना भी इसका हिस्सा है।

सौरभ दास के अनुसार, आज की युवा पीढ़ी को केवल गंभीर चर्चाओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसी सोच के तहत क्लब में हास्य प्रस्तुतियों, मंचीय कार्यक्रमों और मनोरंजक गतिविधियों को भी स्थान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं को तनाव से राहत देने के साथ उन्हें एक साझा सांस्कृतिक और सामाजिक मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्लब किसी विशेष विचारधारा को युवाओं पर थोपने का माध्यम नहीं बनेगा। यहां अलग-अलग विचारों पर चर्चा होगी, स्थापित मान्यताओं पर सवाल उठाए जाएंगे और स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित किया जाएगा। युवाओं को अपनी राय बनाने तथा समाज और देश के भविष्य को लेकर नए दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिलेगा। क्लब के पहले आयोजन की तस्वीरें सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर साझा की हैं।

व्यापार मेले में झारखंड की आदिवासी कला का आकर्षण



नई दिल्ली। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड की पारंपरिक आदिवासी चित्रकलाएं लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। झारखंड पवेलियन में पैतकर और सोहराय-खोवर चित्रकलाओं के माध्यम से राज्य की समृद्ध लोकसंस्कृति और सदियोंपुरानी कलात्मक विरासत की झलक देखने को मिल रही है। कारीगर जंतु कोपे अपनी कलाकृतियों के जरिए इस पारंपरिक कला को नए बाजार तक पहुंचा रहे हैं। इन चित्रों में पशु-पक्षियों, प्रकृति, लोकजीवन और धार्मिक मान्यताओं को दर्शाया गया है। इनकी विशेषताप्राकृतिक रंग हैं, जिन्हें लाल-पीली मिट्टी, पत्थरों, कोयले और चूने से तैयार किया जाता है।सिंहभूम की पैतकार चित्रकला में लोककथाओं, कृष्ण लीला और जीवन-मृत्यु के चक्र को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। वहीं, हजारीबाग की सोहराय-खोवर कला में पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों और ज्यामितीय आकृतियों का सुंदर चित्रण किया जाता है।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में बर्ड फ्लू की दस्तक, कौओं में मिला घातक वायरस; 12 किमी का इलाका अलर्ट पर

एजेंसी

पटना। बिहार के नालंदा जिले में डीएम आवास परिसर में मृत मिले चार कौओं में वायरस की पुष्टि हुई है। इसके बाद बिहारशरीफ के 12 किलोमीटर के दायरे को सर्विलांस जोन बनाया गया है। पशु चिकित्सकों की छुट्टियां रद्द कर रैपिड रिस्पांस टीम गठित की गई है। बिहार के नालंदा जिले में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) ने दस्तक दे दी है। बिहारशरीफ स्थित जिलाधिकारी आवास परिसर में मृत मिले चार कौओं की जांच रिपोर्ट में घातक वायरस की पुष्टि हुई है। भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की रिपोर्ट सामने आने के बाद जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग अलर्ट हो गया है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए रैपिड रिस्पांस टीम गठित की गई है। जिले के सभी पशु चिकित्सकों और विभागीय कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। वहीं, बिहारशरीफ के आसपास 12 किलोमीटर के दायरे को सर्विलांस जोन घोषित कर निगरानी शुरू कर दी गई है। जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. रेखा चौबे ने बताया कि बीते 6 नवंबर को डीएम आवास परिसर में चार कौए संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले थे। मौत की वजह जानने के लिए उनके सैंपल पहले पटना, फिर कोलकाता और अंत में भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की प्रयोगशाला में भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट मेंवायरस की पुष्टि हुई है। इसके बाद संक्रमण की रोकथाम के लिए तत्काल कदम उठाए गए हैं। नगर निगम की मदद से डीएम आवास परिसर और आसपास की डीएम कॉलोनी में सैनिटाइजर और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया गया है। साथ ही शासन ने एहतियात के तौर पर बिहारशरीफ शहर के आसपास 12 किलोमीटर के दायरे को सर्विलांस जोन में रखा है। इस क्षेत्र के सभी पोल्ट्री फार्मों से मुर्गियों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। प्रखंड स्तर पर भी विशेष निगरानी टीमें बनाई गई हैं, जो ग्रामीण इलाकों में पोल्ट्री फार्मों और मामले की गंभीरता को देखते हुए पटना स्थित पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान की चार सदस्यीय विशेषज्ञ टीम नालंदा पहुंची। इसमें डॉ. प्रियरंजन, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. ज्ञानवेंद्र कुमार वर्मा और डॉ. संजय कुमार शामिल थे। टीम ने सबसे पहले डीएम आवास परिसर और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। इसके बाद जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. रेखा चौबे के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें वायरस के संभावित स्रोत, अब तक उठाए गए एहतियाती कदमों और संक्रमण को फैलने से रोकने की आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। प्रवासी पक्षियों से फैलने की आशंका, पोल्ट्री फार्मों में अब तक संक्रमण नहीं जिला पशुपालन पदाधिकारी के अनुसार, सर्दियों के मौसम में साइबेरिया सहित अन्य ठंडे क्षेत्रों से प्रवासी पक्षी और बत्तख बड़ी संख्या में जिले के जलाशयों में पहुंचते हैं। ये पक्षी बर्ड फ्लू वायरस के प्राकृतिक वाहक हो सकते हैं। आशंका है कि इनके संपर्क में आने से स्थानीय कौए संक्रमित हुए हों। हालांकि, प्रशासन के मुताबिक अब तक शहर या ग्रामीण क्षेत्र के किसी भी पोल्ट्री फार्म में मुर्गियों की असामान्य मौत या बर्ड फ्लू संक्रमण का मामला सामने नहीं आया है। इसे फिलहाल राहत की बात माना जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक,वायरस मुख्य रूप से पक्षियों को संक्रमित करता है, लेकिन संक्रमित पक्षियों के निकट संपर्क में आने से इंसानों में भी संक्रमण का खतरा रहता है। पोल्ट्री फार्म में काम करने वाले कर्मचारियों, पक्षी पालकों और चिकन-अंडा विक्रेताओं को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। प्रशासन ने लोगों से मृत या बीमार पक्षियों को न छूने और ऐसी कोई घटना सामने आने पर तत्काल पशुपालन विभाग को सूचना देने की अपील की है। फिलहाल जिले में संक्रमण की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

शादी से लौट रही स्कॉर्पियो ट्रक से टकराई, दूल्हे की चचेरी बहन समेत चार की मौत, छह घायल

एजेंसी

पटना। बाढ़ अनुमंडल में रविवार सुबह फोरलेन पर भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। मृतकों में दूल्हे की चचेरी बहन भी शामिल है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानिए कैसे-क्या हुआ पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल में रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। हादसा बख्तियारपुर के सबनीमा गांव के पास फोरलेन पर सुबह करीब पांच बजे हुआ। यहां शादी समारोह से लौट रही स्कॉर्पियो की एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो सवार तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, एक अन्य घायल की बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सिकंदरा गांव से बारात बख्तियारपुर आई थी। शादी समारोह संपन्न होने के बाद कुछ लोग स्कॉर्पियो से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जगन्नाथ पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार ट्रक ने स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों की पहचान धीरज कुमार (26), पूनम कुमारी (27), बबली कुमारी (18) और रेणु कुमारी (20) के रूप में हुई है। पूनम दूल्हे की चचेरी बहन थी और सिकंदरा गांव की रहने वाली थी। उसकी मां ने बताया कि बेटी शादी समारोह में शामिल होने गई थी। घर लौटने के दौरान हादसे में उसकी जान चली गई। वहीं, धीरज कुमार की मां ने बताया कि उनका बेटा पेशेवर चालक नहीं था। वह पढ़ाई कर रहा था और हाल ही में उसने 30 हजार रुपये की किताबें मंगाई थीं। शादी में स्कॉर्पियो चलाने के लिए उसे ले जाया गया था। धीरज परिवार का इकलौता बेटा था और बाढ़ के अकबरपुर गांव का रहने वाला था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) अंजनी कुमार ने बताया कि हादसा सबनीमा गांव के पास जगन्नाथ पेट्रोल पंप के नजदीक सुबह करीब पांच बजे हुआ। स्कॉर्पियो में 10 से 12 लोग सवार थे। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक घायल को अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। इनमें कुछ को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज बख्तियारपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

रिटायर्ड रेलकर्मी के घर 45 लाख की चोरी, रिंग सेरेमनी में गया था परिवार; नकदी-जेवर लेकर फरार हुए चोर

एजेंसी

पटना। खगौल थाना क्षेत्र की रेलवे कॉलोनी में चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाकर करीब पांच लाख रुपये नकद और 40 लाख रुपये के जेवरात चोरी कर लिए। रिटायर्ड रेलकर्मी दीप कुमार गुप्ता परिवार के साथ बेटी की रिंग सेरेमनी में शामिल होने कोलकाता गए थे। इसी दौरान चोरों ने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। बिहार की राजधानी पटना के खगौल में चोरों ने एक बंद मकान से करीब 45 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली। वारदात रेलवे कॉलोनी में बिहटा-एलिवेटेड पुल के पिलर नंबर 30 के सामने स्थित रिटायर्ड रेलकर्मी दीप कुमार गुप्ता के घर हुई। परिवार बेटी की रिंग सेरेमनी में शामिल होने कोलकाता गया था। घर लौटने पर कमरों का सामान बिखरा मिला और अलमारी व बक्सों से नकदी और जेवरात गायब थे। घटना के बाद परिवार में अफरातफरी मच गई। बेटी की रिंग सेरेमनी में कोलकाता गया था परिवार जानकारी के अनुसार, दीप कुमार गुप्ता अपने परिवार के साथ बेटी की रिंग सेरेमनी में शामिल होने कोलकाता गए हुए थे। घर बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि चोर मुख्य दरवाजे से घर के अंदर दाखिल हुए और फिर अलमारी तथा बक्सों को खंगाल डाला। परिवार जब वापस लौटा तो घर के कमरों में सामान बिखरा हुआ था। अलमारी और बक्सों से नकदी व जेवरात गायब थे। चोर घर के ताले भी अपने साथ ले गए थे। शादी की रस्मों के लिए बैंक से निकाले थे रुपये रिश्तेदार राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि बेटी की शादी की रस्मों के लिए कुछ दिन पहले ही बैंक से रुपये निकालकर घर में रखे गए थे। चोर करीब पांच लाख रुपये नकद और लगभग 40 लाख रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए।

नीतीश सेतु पर किसने मचाया उपद्रव, पोस्टर फाड़ने के बाद कौन सा नारा लगा रहे थे

एजेंसी

पटना। वैशाली में नीतीश सेतु के लोकार्पण के बाद राघोपुर से सामने आए एक वीडियो ने बिहार की सियासत गरमा दी है। वीडियो में कुछ युवक पुल पर लगे एनडीए नेताओं के पोस्टर-बैनर फाड़ते और नारेबाजी करते नजर आ रहे हैं। युवकों के हाथ में राजद का झंडा भी दिखाई दे रहा है। वैशाली में नीतीश सेतु के लोकार्पण के बाद असमाजिक तत्वों ने जमकर उत्पात मचाया है। रविवार को राघोपुर से एक वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ युवक पुल पर लगे पोस्टर और बैनर फाड़ते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि वीडियो में दिख रहे युवक राष्ट्रीय जनता दल के समर्थक हैं। वीडियो में युवक तेजस्वी यादव और राजद के समर्थन में



नारेबाजी करते भी सुनाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं इनलोगों के हाथों भी राजद का झंडा भी है। दावा है कि यह घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के कुछ देर बाद हुई। इसे घटना को पुलिस भी नहीं रोक पाई। अब इस पर सियासत गरमा गई है। उधर, भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने पोस्टर-बैनर फाड़ने की घटना की निंदा की है। उन्होंने इसे जंगलराज की मानसिकता बताते हुए कहा कि विकास से जुड़े कार्यक्रम में इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ युवक हाथों में राजद का झंडा लेकर पुल पर पहुंचे थे। वीडियो में वह एनडीए नेताओं के फ्लेक्स और बैनर को खींचकर फाड़ते दिख रहे हैं। इस दौरान लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के समर्थन में नारेबाजी भी सुनाई दे रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मौके पर करीब 40 मिनट तक हंगामा हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और युवकों को वहां से हटाया। इस पूरे घटनाक्रम को वहां मौजूद कुछ लोगों ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर फैल गया। इसके बाद घटना को लेकर अलग-अलग दावे किए जाने लगे। कुछ लोग इसे राजद समर्थकों की ओर से किया गया विरोध बता रहे हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया जा रहा है कि पोस्टर में नीतीश कुमार की तस्वीर नहीं होने से नाराज जदयू समर्थक ऐसा कर सकते हैं। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है। नीतीश कुमार की तस्वीर को लेकर पहले से जारी था विवाद दरअसल, नीतीश सेतु के उद्घाटन से पहले ही पुल के नामकरण और कार्यक्रम से जुड़े पोस्टर-बैनर में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर नहीं होने को लेकर विवाद छिड़ा था। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी इस पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि जिस व्यक्ति के नाम पर पुल का नाम रखा गया है, उसी की तस्वीर पोस्टर में नहीं है। तेजस्वी यादव ने नीतीश सेतु के लोकार्पण पर क्या आरोप लगाया था? इधर, राघोपुर विधानसभा के विधायक और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश सेतु के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि पुल का उद्घाटन करीब एक साल पांच महीने पहले ही हो चुका था और तब से इस पर रोजाना लाखों वाहनों की आवाजाही हो रही है। तेजस्वी ने कहा कि इस पुल का नाम सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के नाम पर रखा जाना चाहिए था, लेकिन भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुल के निर्माण और नामकरण के फैसले में प्रधानमंत्री का कोई योगदान नहीं है और केंद्र सरकार ने इसमें एक रुपया भी खर्च नहीं किया। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री बिना कोई नई परियोजना दिए बिहार आते हैं और पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यों का उद्घाटन कर अपना नाम पट्टिका पर लिखवाते हैं।

मनरेगा में अनियमितता पर पांच कर्मियों से 4.62 लाख रुपये वसूली का आदेश

एजेंसी

दरभंगा दरभंगा के मनीगाछी प्रखंड की ब्रह्मपुरा-भटपुरा पंचायत में मनरेगा योजनाओं में वित्तीय अनियमितता सामने आई है। जांच के बाद डीडीसी ने पांच तत्कालीन कर्मियों से कुल 4.62 लाख रुपये की वसूली का आदेश दिया है। सभी पांच कर्मियों को 92,400-92,400 रुपये एक महीने के भीतर सरकारी खाते में जमा कराने होंगे।उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सह अपर जिला कार्यक्रम समन्वयक ने मनीगाछी प्रखंड की ब्रह्मपुरा-भटपुरा पंचायत में मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में हुई गंभीर अनियमितता के मामले में पांच तत्कालीन कर्मियों से 4,62,000 रुपये की वसूली का आदेश जारी किया है। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) कार्यालय ने पांचों कर्मियों पर समानुपातिक रूप से जुमार्ना लगाया है। परिवादी की शिकायत पर हुई विस्तृत जांच परिवादी के आवेदन पर वर्तमान कार्यक्रम पदाधिकारी आनंद प्रकाश ने मामले की जांच की। जांच प्रतिवेदन के अनुसार मनरेगा की तीन योजनाओं में गंभीर धांधली सामने आई। संबंधित कर्मियों ने पहले से निर्मित सड़क पर ही मिट्टी और खरंजा बिछाने का कार्य दिखाकर नया प्राक्कलन तैयार किया और योजनाओं को पूरा दिखाया। इस दौरान तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति से जुड़े अनिवार्य प्रावधानों का अनुपालन नहीं किया गया। योजना स्थल पर नियम के तहत सूचना पट भी नहीं लगाया गया था। जांच अधिकारी ने पाया कि कर्मियों ने दूसरी पंचायत के मजदूरों से कार्य कराया और माप पुस्तिका में विधिवत सत्यापन किए बिना मजदूरी का भुगतान कर दिया। जांच के समय आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। तीन योजनाओं में वित्तीय धांधली का खुलासा जांच में तीन अलग-अलग योजनाओं में कुल 4,62,000 रुपये की वसूली योग्य राशि चिह्नित की गई। इसमें राम झा के पोखर से श्याम मिश्र के खेत तक मिट्टी एवं खरंजा कार्य में 1,47,120 रुपये की अनियमितता पाई गई। वहीं रामचंद्र ठाकुर के मकान से आरइओ सड़क तक मिट्टी एवं खरंजा कार्य में 1,45,440 रुपये और श्याम मिश्र के खेत से रामचंद्र ठाकुर के खेत तक मिट्टी व खरंजा कार्य में 1,69,440 रुपये का गैर-कानूनी भुगतान हुआ। प्रशासन ने इन तीनों कार्यों में सरकारी धन के दुरुपयोग को प्रमाणित पाते हुए कुल 4,62,000 रुपये वसूलने का फैसला सुनाया। एक माह में बैंक खाते में जमा होगी राशि उप विकास आयुक्त ने जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार रौशन, सहायक अभियंता राजमोहन चौधरी, कनीय अभियंता रामनारायण गुप्ता, पंचायत रोजगार सेवक अंजनी कुमार और लेखापाल रौशन कुमार को इस लापरवाही का जिम्मेदार माना है।

50 हजार रुपये रिश्वत लेते कनीय अभियंता गिरफ्तार, विकास कार्यों के बिल भुगतान के बदले मांगी थी घूस

एजेंसी

पटना। बिहार के कैमूर जिले में विजिलेंस की टीम ने मोहनिया नगर पंचायत के कनीय अभियंता राजेश प्रजापति को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अभियंता विकास कार्यों के लंबित बिलों का भुगतान करने के बदले घूस मांग रहा था। शिकायत मिलने के बाद 12 सदस्यीय टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस की कार्रवाई जारी है। कैमूर जिले के मोहनिया नगर पंचायत में तैनात कनीय अभियंता राजेश प्रजापति को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह नगर पंचायत क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों के बकाया बिलों का भुगतान करने के बदले रिश्वत मांग रहा था। शिकायत की जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद विजिलेंस की टीम ने पूरी योजना



के साथ धावा बोला और अभियंता को पकड़ लिया। लंबित बिलों के भुगतान के बदले मांगी थी रिश्वत विजिलेंस इंस्पेक्टर कुमार कुणाल सौरभ के मुताबिक, परिवादी संजय कुमार ने इस संबंध में विजिलेंस इकाई में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। संजय की मां मोहनिया नगर पंचायत में संविदा पर काम करती हैं। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र में कुछ विकास कार्य कराए थे। इन कार्यों में से कुछ के बिलों का भुगतान हो चुका था, जबकि बाकी का भुगतान लंबित था। आरोप है कि लंबित बिलों का भुगतान कराने के एवज में कनीय अभियंता राजेश प्रजापति लगातार 50 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। संजय कुमार रिश्वत नहीं देना चाहते थे। इसलिए उन्होंने 12 तारीख को विजिलेंस कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दी। शिकायत की जांच के बाद दर्ज हुई प्राथमिकी विजिलेंस इकाई ने परिवादी की शिकायत मिलने के बाद उसकी जांच कराई। जांच में रिश्वत मांगने के आरोप सही पाए जाने के बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद आरोपी को पकड़ने के लिए कार्रवाई की तैयारी शुरू हुई। 12 सदस्यीय टीम ने बिछाया जाल विजिलेंस इंस्पेक्टर कुमार कुणाल सौरभ के नेतृत्व में 12 सदस्यीय धावा दल का गठन किया गया। टीम ने योजना के मुताबिक जाल बिछाया। इसी दौरान कनीय अभियंता राजेश प्रजापति को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ लिया गया। कार्रवाई के समय मौके पर एक अन्य व्यक्ति भी बैठा हुआ था। हालांकि, जांच के बाद उसकी इस मामले में कोई संलिप्तता नहीं पाई गई। विजिलेंस टीम ने आरोपी अभियंता को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार चारपहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, इलाज के दौरान तोड़ा दम, चालक फरार

एजेंसी

पूर्णिया। कोचाधामन थाना क्षेत्र के कमलपुर गांव के पास बाइक और चारपहिया वाहन की आमने-सामने टक्कर में गंभीर रूप से घायल युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। किशनगंज में शनिवार की रात कोचाधामन थाना क्षेत्र के कमलपुर गांव के पास सड़क पर एक तेज रफ्तार वाहन ने एक युवक की जिंदगी छीन ली। बाइक और चारपहिया वाहन की आमने-सामने की टक्कर में कैमरामैन अक्षय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें आनन-फानन में एमजीएम किशनगंज ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक अक्षय कुमार पेशे से कैमरामैन थे और अपने काम से बाइक पर लौट रहे थे। तभी



कमलपुर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार चारपहिया वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार अक्षय सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और घायल को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सूचना मिलते ही कोचाधामन पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद वाहन चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। अक्षय की मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, पूरे इलाके में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर फरार वाहन की पहचान की जा रही है।

20वीं बटालियन ने मनाया 15वां स्थापना दिवस, वीर स्मृति स्थल पर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

पटना। दानापुर स्थित बिहार रेजिमेंट केंद्र में 20वीं बिहार बटालियन का 15वां स्थापना दिवस गौरव और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर वीर स्मृति स्थल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। बटालियन की स्थापना 21 नवंबर 2011 को रांची के नामकुम छावनी में हुई थी। बिहार के दानापुर में शुक्रवार को 20वीं बिहार बटालियन का 15वां स्थापना दिवस मनाया गया। बिहार रेजिमेंट केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में सैन्य अधिकारियों, जेसीओ और जवानों ने बटालियन के शहीद सैनिकों को नमन किया। वीर स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया गया। इस दौरान बटालियन के गौरवशाली इतिहास, सैन्य उपलब्धियों और देशसेवा के प्रति समर्पण को भी याद किया गया। नामकुम छावनी से शुरू हुआ था बटालियन का सफर 20वीं बिहार बटालियन की स्थापना 21 नवंबर 2011 को झारखंड की राजधानी रांची स्थित नामकुम छावनी में हुई थी। कर्नल



राकेश कुमार बोरा, जो वर्तमान में ब्रिगेडियर हैं, और सूबेदार मेजर राजेश कुमार के नेतृत्व में बटालियन का गठन किया गया था। इसी के साथ बटालियन ने अपने सैन्य सफर की शुरूआत की। बटालियन की उपलब्धियों में वर्ष 2016 का सम्मान खास महत्व रखता है। उस समय तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल दलबीर सिंह सुहाग ने बटालियन को प्रतिष्ठित प्रेसिडेंट्स कलर्स से सम्मानित किया था। यह सम्मान बटालियन की सैन्य सेवाओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन की पहचान बना। रांची से मणिपुर तक निभाई सैन्य जिम्मेदारियां अपने कार्यकाल के दौरान 20वीं बिहार बटालियन ने रांची, बिनागुड़ी और मणिपुर में तैनाती के दौरान अलग-अलग सैन्य दायित्व निभाए। बटालियन के जवानों ने हर जिम्मेदारी को निष्ठा और समर्पण के साथ पूरा किया। कोविड-19 महामारी के दौरान मणिपुर में स्थानीय नागरिकों की सहायता कर सैनिकों ने मानवीय सेवा का उदाहरण भी पेश किया। बटालियन के सैनिकों ने अपने साहस और वीरता से कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके योगदान के लिए उन्हें विभिन्न वीरता पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

एआई निगरानी से 30 दिनों में बनेगा नया राशन कार्ड, एक करोड़ नए लोगों को जोड़ने का लक्ष्य

एजेंसी

पटना। पटना बिहार सरकार जरूरतमंद परिवारों को आवेदन के 30 दिनों के भीतर नया राशन कार्ड जारी करने की व्यवस्था कर रही है। इसके लिए खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने एआई और डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया है। राज्य के सभी जिला और अनुमंडल कार्यालयों को मुख्यालय से जोड़ा गया है। सरकार का लक्ष्य एक करोड़ नए लोगों को राशन कार्ड से जोड़ना है। बिहार सरकार जरूरतमंदों को 30 दिनों के भीतर नया राशन कार्ड जारी करने के लिए मुख्यालय स्तर पर एआई और डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू कर रही है। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने इस प्रणाली से राज्य के सभी जिला और अनुमंडल कार्यालयों को जोड़ दिया



है। सरकार ने एक करोड़ नए लोगों को राशन कार्ड से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के स्तर से राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। चालू वर्ष में राज्य के 23.75 लाख नए लाभुकों को राशन कार्ड से जोड़ा गया है। वर्तमान में राज्य में कुल दो करोड़ नौ लाख राशन कार्ड हैं, जिनसे आठ करोड़ 48 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। स्मार्ट पीडीएस पोर्टल से डिजिटल आवेदन नए राशन कार्ड के आवेदन और नाम जोड़ने की प्रक्रिया को स्मार्ट पीडीएस पोर्टल के माध्यम से पूरी तरह डिजिटल कर दिया गया है। मुख्यालय के सर्वर पर सीधे डेटा अपलोड होने से यह ट्रैक करना आसान हो गया है कि किस जिला, अनुमंडल या प्रखंड में कितने आवेदन लंबित हैं। पात्र परिवारों का नया कार्ड आवेदन जमा करने के 30 दिनों के भीतर बनना सुनिश्चित करने के लिए मुख्यालय स्तर से हर जिले के दैनिक निष्पादन की निगरानी की जा रही है। मुख्यालय स्तर पर पदस्थापित अधिकारी नए आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया का गहन निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि तकनीकी समस्याओं या लापरवाही के कारण कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे।

पीडीएस दुकानों की डिजिटल निगरानी राज्य में लगभग 60 हजार पीडीएस दुकानों को डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए फेयर प्राइस शॉप मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। इस व्यवस्था से डिजिटल तराजू का रियल-टाइम डेटा सीधे मुख्यालय के सर्वर पर पहुंचता है। इससे अनाज के उठाव, वितरण और बचे हुए स्टॉक में किसी भी अनियमितता पर कंट्रोल रूम में तुरंत अलर्ट मिल जाता है। इसके अतिरिक्त लाभुकों के सत्यापन के लिए आधार आधारित बायोमीट्रिक, ओटीपी और फिंगरप्रिंट की व्यवस्था की गई है। फिंगरप्रिंट काम न करने की स्थिति में चेहरे या आंखों से पहचान करने वाली फेस रिकग्निशन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। रायबरेलीः नई व्यवस्था बनी परेशानी, मोबाइल नंबर याद न रहने पर नहीं आती ओटीपी जिले में 16 हजार पेंशनर, अब तक पांच हजार का बना डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र रायबरेलीः नई व्यवस्था बनी परेशानी, मोबाइल नंबर याद न रहने पर नहीं आती ओटीपी जिले में 16 हजार पेंशनर, अब तक पांच हजार का बना डिजिटल जीवन प्रमाणपत्रनई व्यवस्था से फर्जी और अपात्र राशन कार्डों की पहचान करने में बड़ी मदद मिल रही है। मुख्यालय से फेयर प्राइस शॉप मैनेजमेंट सिस्टम और एआई का उपयोग डेटा विश्लेषण के लिए किया जा रहा है। यह तकनीक संदिग्ध, डुप्लीकेट या अपात्र आवेदनों और पहले से बने फर्जी राशन कार्डों को तुरंत चिह्नित करती है। विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि एआई द्वारा किसी भी कार्ड को चिह्नित करने के बाद उसे रद्द करने से पहले भौतिक सत्यापन अनिवार्य रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

चीन को पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध, अमेरिकी वित्त मंत्री दे दिया बड़ा बयान

बीजिंग, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है। एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे।

पेरू में 6.9 तीव्रता का आया भूकंप, राजधानी लीमा तक लगे झटके, प्रशांत रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में कांपी धरती

लीमा, एजेंसी। मध्य पेरू के एंडीज क्षेत्र में शुक्रवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी नुकसान या हताहत की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 7:09 बजे आया। इसका केंद्र जुनिन से 34 किलोमीटर उत्तर में एंडीज में था। भूकंप की गहराई 108 किलोमीटर दर्ज की गई। पेरू के भूभौतिकीय संस्थान ने भी किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं दी। पेरू के जियोफिजिकल इंस्टीट्यूट ने बताया कि किसी तरह के नुकसान या लोगों के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के केंद्र के पास स्थित कारहुआमायो के मेयर, अब्देल वेगा ने भी एक स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पेरू की राजधानी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग सड़कों पर निकल आए। पेरू रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां दुनिया के अधिकांश भूकंप आते हैं। अगस्त में पेरू के एंडीज में 6.7 तीव्रता के भूकंप से दो लोग घायल हुए थे। जुलाई में जुनिन क्षेत्र में 5.5 तीव्रता के भूकंप से छह लोगों की मौत और 30 लोग घायल हुए थे।

परमाणु हथियारों की होड़: ट्रंप बोले- चीन तेजी से बढ़ा रहा अपना जखीरा, शी-पुतिन से मुलाकात के बाद जताई चिंता

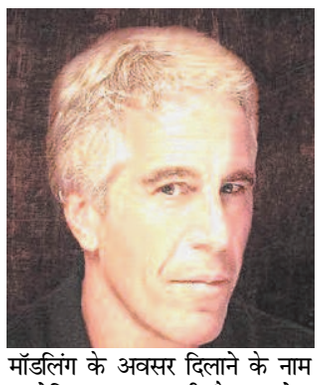
वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन तेजी से परमाणु हथियार बना रहा है। उन्होंने इसे तेज और भारी विस्तार बताया है। यह टिप्पणी उन्होंने चीनी नेता शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक दिन बाद की। तीनों देशों ने परमाणु अप्रसार रोकने पर बातचीत के लिए सहमति जताई है। यह बैठक गुरुवार को दक्षिणी चीनी शहर शेन्जन में हुई थी। रूस और अमेरिका के पास हजारों परमाणु हथियार हैं। वे दुनिया में इस मामले में सबसे आगे हैं। वहीं चीन अपने परमाणु जखीरे का तेजी से विस्तार कर रहा है। पेंटागन ने चीन के सैन्य विस्तार की अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के परमाणु हथियारों का भंडार 2024 तक 600 से कम रहा। हालांकि, देश 2030 तक 1,000 से अधिक परमाणु हथियार रखने की राह पर है। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक समाचार सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने चीन के परमाणु विस्तार पर टिप्पणी करते हुए कहा, वे 10 साल के भीतर हमें पकड़ लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि चीन इस पर तेज और भारी गति से काम कर रहा है। ट्रंप की ये सार्वजनिक टिप्पणियां उनकी विवादित शिखर बैठक के बाद पहली थीं। इस बैठक में अमेरिका के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले देशों के नेता शामिल थे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को ट्रंप के साथ पत्रकारों से बात की। रुबियो ने जोर दिया, इन तीनों देशों के पास इस ग्रह पर परमाणु हथियारों का भारी बहुमत है। उन्होंने कहा कि इन तीनों नेताओं का नियमित रूप से बातचीत न करना सिर्फ बेतुका नहीं, बल्कि खतरनाक है।

एपस्टीन को क्यों पसंद थीं रूसी महिलाएं: पुतिन से मिलने का सपना, सत्ता के गलियारों तक पहुंचने का भी था इरादा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन की कहानी सिर्फ यौन शोषण और मानव तस्करी तक सीमित नहीं थी। वह दुनिया के अमीर और प्रभावशाली लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना चाहता था। रूस के साथ उसका रिश्ता भी इसी कोशिश का हिस्सा था। शुरुआत रूसी मॉडल्स और युवा महिलाओं से हुई, लेकिन धीरे-धीरे उसकी दिलचस्पी वहां के अरबपतियों, कारोबारियों और सरकारी अधिकारियों तक पहुंच बनाने में बढ़ती गई। यहां तक कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की कोशिश भी करता रहा।

रॉयटर्स की पड़ताल के मुताबिक, रूस के प्रति एपस्टीन की दिलचस्पी के पीछे महिलाओं तक पहुंच, ताकतवर लोगों से संपर्क और अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा दोबारा हासिल करने की कोशिश जैसे पहलू थे।

रूस से एपस्टीन की दिलचस्पी कैसे शुरू हुई : 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने और सोवियत संघ के खुलने के बाद पश्चिमी देशों की मॉडलिंग एजेंसियों की नजर पूर्वी यूरोप और रूस की युवा प्रतिभाओं पर पड़ी। उस दौर में कई मॉडलिंग एजेंट नए चेहरों की तलाश में रूस और आसपास के देशों में पहुंच रहे थे। इसी नेटवर्क में फ्रांस के मॉडलिंग एजेंट जीन-ल्यूक ब्रुनेल भी शामिल थे। वह पेरिस की मॉडलिंग एजेंसी करिन मॉडल्स के लिए काम करते थे। उनका काम पूर्वी यूरोप और पूर्व सोवियत संघ से लड़कियों और युवतियों को



मॉडलिंग के अवसर दिलाने के नाम पर पेरिस लाना था। इसी दौरान ब्रुनेल के जरिए एपस्टीन की मॉडलिंग की दुनिया में पहुंच बढ़ी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कम उम्र की लड़कियों को मॉडलिंग और बेहतर करियर का सपना दिखाकर उसके संपर्क में लाया जाता था। 1991 में पेरिस में ब्रुनेल के एक कार्यक्रम में शामिल हुई पूर्व मॉडल थिसिया हुइसमैन ने एक रूसी लड़की को एपस्टीन के साथ बैठे देखा था। उनके मुताबिक, लड़की काफी कम उम्र की लग रही थी और उसने बताया था कि ब्रुनेल उसे सुपरमॉडल बनाने का वादा करके पेरिस लाए थे।

मॉडलिंग का नेटवर्क शोषण का जरिया कैसे बना : एपस्टीन का रूस से जुड़ाव सिर्फ मॉडल्स से मुलाकात तक सीमित नहीं रहा। धीरे-धीरे मॉडलिंग एजेंसियां उसके लिए महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाने का माध्यम बनती गईं। रॉयटर्स की जांच में पूर्व सोवियत संघ की कम से कम 17 ऐसी महिलाओं की पहचान हुई, जिन्हें एपस्टीन के यौन शोषण और मानव तस्करी के नेटवर्क में लाया गया था। 2003 में ब्रुनेल ने मियामी में करिन मॉडल्स ऑफ अमेरिका नाम से मॉडलिंग एजेंसी शुरू की। दो साल बाद इसका नाम बदलकर स्क2 मॉडल्स मैनेजमेंट कर दिया गया। ब्रुनेल ने फ्रांसीसी जांचकर्ताओं को बताया था कि एपस्टीन ने इस एजेंसी को 3 लाख डॉलर के कर्ज की गारंटी दी थी। रूस से मॉडल्स की भर्ती करती थी। एजेंसी उन्हें अमेरिका जाने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद करती थी, जबकि एपस्टीन उनके रहने के लिए अपार्टमेंट की व्यवस्था करता था। इस व्यवस्था का एक उदाहरण स्वेतलाना पॉझिदायेवा हैं। उन्होंने रॉयटर्स को बताया कि 2008 में पेरिस में उनकी मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। उसने उन्हें विक्टोरिया सीक्रेट में मॉडलिंग का अवसर दिलाने का वादा किया था। अगले साल वह अमेरिका पहुंचीं और MCw से जुड़ गईं। बाद में वह एपस्टीन की निजी सहायक भी बनीं। उनके मुताबिक, एपस्टीन उनका यौन शोषण करता था। उन्होंने बताया कि उनका वीजा एजेंसी के जरिए था, रहने की व्यवस्था एपस्टीन करता था और उनके खर्चों को कर्ज के रूप में दर्ज किया जाता था। इससे उनके लिए उस माहौल से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था।

रूसी अरबपतियों से दोस्ती क्यों चाहता था एपस्टीन : 2008 में नाबालिग लड़की से जुड़े यौन अपराध सहित वेश्यावृत्ति के आरोपों में दोष स्वीकार करने के बाद एपस्टीन को 13 महीने जेल में रहना पड़ा था। इसके बाद उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बड़ा झटका लगा। रॉयटर्स के मुताबिक, इसी दौर में उसने रूसी अरबपतियों और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ाने की कोशिश की। वह खुद को वित्तीय मामलों का विशेषज्ञ बताता था और अमीर कारोबारियों को निवेश संबंधी सलाह देने की पेशकश करता था। इनमें रूसी रियल एस्टेट कारोबारी व्लादिस्लाव डोरोनिन भी शामिल थे। 2010 में डोरोनिन के कार्यालय ने एपस्टीन को मॉस्को के एक चैरिटी कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। बाद में दोनों ने न्यूयॉर्क में डिनर किया और मॉस्को की एक बड़ी रियल एस्टेट परियोजना पर चर्चा भी की। एपस्टीन ने धातु उद्योग के अरबपति ओलेग डेरिपास्का से भी संपर्क बनाने की कोशिश की। हालांकि, दोनों की मुलाकात हुई थी या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। रूस में एपस्टीन की दिलचस्पी का सबसे अहम पहलू पुतिन तक पहुंच बनाना था। सितंबर 2011 में वह रूस की यात्रा की योजना बना रहा था। उसके ईमेल में मॉडलिंग एजेंट और एक वैज्ञानिक अकादमी से मुलाकात का जिक्र था। एक कर्मचारी ने बताया था कि उसके रूसी बॉडीगार्ड के अनुसार, एपस्टीन की पुतिन से मुलाकात भी तय थी। हालांकि, बाद में यात्रा रद्द हो गई और मुलाकात होने का कोई प्रमाण नहीं मिला।

ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप को मिली बड़ी राहत, सीनेट ने सेना की वापसी से जुड़े प्रस्ताव को किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध पर हुए अपने पहले मतदान में, अमेरिकी सीनेट ने हाउस (प्रतिनिधि सभा) ने पारित एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष से अमेरिकी सेनाओं को वापस बुलाने का निर्देश दिया गया था। सीनेट के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुवार को यह प्रस्ताव 48-51 के अंतर से गिर गया। इसके खारिज होने के साथ ही सीनेट में यह प्रस्ताव समाप्त हो गया है। तीन रिपब्लिकन सदस्यों - मेन की सुसान कोलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की और केंटकी के रैंड पॉल - ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पेंसिल्वेनिया के डेमोक्रेट जॉन फेटरमैन ने इसके खिलाफ वोट किया। कनेक्टिकट के डेमोक्रेट क्रिस मर्फी ने मतदान नहीं किया और सदन में उन्हें अनिवार्य रूप से अनुपस्थित घोषित किया गया। नॉर्थ कैरोलिना के रिपब्लिकन थॉम टिलिस, जिन्होंने सितंबर में इसी तरह के एक प्रस्ताव का समर्थन किया था। उसने इस बार इसके खिलाफ वोट दिया। इससे पहले वाला प्रस्ताव, 24 सितंबर को 49-50 के अंतर से गिर गया था। सीनेटर एडम शिफ के कार्यालय ने बताया कि गुरुवार को हुआ मतदान युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव के जरिए युद्ध को खत्म करने के लिए सीनेट का 15वां वोट था। रोल कॉल रिकॉर्ड के अनुसार, सीनेट ने 23 जून को 50-48 के अंतर से ऐसा ही एक प्रस्ताव पारित किया था।

मैसाचुसेट्स के डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि सेठ मौल्टन ने 28 अप्रैल को पेश किया था। 15 सितंबर को हाउस ने 220-204 के अंतर से इसे मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव में 1973 के युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव की धारा 5(ब) का हवाला दिया गया था। एक समवर्ती प्रस्ताव होने के नाते, इसे हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी।

डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने क्या कहा : बहस के दौरान, वर्जीनिया के डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने अपने साथियों से कहा, वही करें जिसकी मांग संविधान करता है, जिसकी मांग हमारी जनता करती है और वह है इस अवैध युद्ध को खत्म करना। कांग्रेसनल रिकॉर्ड के अनुसार, केन ने कहा, अमेरिकी जनता इससे तंग आ चुकी है। लेकिन हम, यहां सीनेट में, इसे ठीक करने की क्षमता रखते हैं। यह वोट देना कि यह युद्ध अवैध है, इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। विस्कॉन्सिन की डेमोक्रेटिक सीनेटर टैमी बाल्डविन ने सदन में कहा कि इस युद्ध की वजह से करदाताओं के कम से कम 47 अरब डॉलर खर्च हुए हैं और 23 अमेरिकियों ने अपनी जान गंवाई है।

सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए डील नहीं, अराघची ने अमेरिका को दिया संदेश, कहा- पहले दे सुरक्षा की गारंटी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार (स्थानीय समय) को कहा कि तेहरान केवल मौजूदा गतिरोध को खत्म करने के लिए वाशिंगटन के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा होनी चाहिए और भविष्य में फिर से संघर्ष न होने का आश्वासन मिलना चाहिए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी अखबार को दिए एक साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि तेहरान मौजूदा न युद्ध, न शांति वाली स्थिति में बने रहने के बजाय एक अच्छा, सम्मानजनक और स्थायी समझौता चाहता है। वाशिंगटन के साथ किसी भी संभावित समझौते के टिकाऊपन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, आज कोई समझौता करने का क्या फायदा, अगर दो महीने बाद ही उसका उल्लंघन हो जाए और फिर से युद्ध शुरू हो जाए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा अराघची ने बताया कि जून में हुए संघर्ष-विराम समझौते के महज 15 दिन बाद ही लड़ाई फिर से शुरू हो गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेहरान केवल मौजूदा स्थिति से बचने के लिए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए हर समझौता स्वीकार करने लायक नहीं होता।

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि कोई भी समझौता ऐसा होना चाहिए जो एक और युद्ध को रोके, और इसमें ऐसी कोई रियायत नहीं होनी चाहिए जिसे वाशिंगटन अपनी जीत के रूप में पेश कर सके। परमाणु मुद्दे पर, अराघची ने कहा कि ईरान 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को लेकर बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने इस सामग्री को देश के बाहर भेजने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु संवर्धन पर एक उचित फॉर्मूला निकाला जा सकता है, लेकिन साथ ही जोर दिया कि इस मुद्दे को अन्य मांगों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इसे एक व्यापक समझौते का हिस्सा होना चाहिए, जो ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे।

लॉरेंस के करीबी गोल्डी पर यूएस ने कसा शिकंजा, एफबीआई ने घोषित किया मोस्ट वांटेड भगोड़ा, रखा 9 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन, एजेंसी। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की तलाश में अमेरिका और कनाडा की जांच एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआ ने उसे अपनी टॉप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़े की सूची में शामिल किया है। वहीं, कनाडा ने भी हाल ही में उसे देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की सूची में शीर्ष स्थान पर रखा है। एफबीआई ने गोल्डी बराड़ की सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (9.26 करोड़ रुपये) तक का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं, कनाडा में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम घोषित किया गया है।

एफबीआई ने 28 सितंबर 2026 को सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अपनी मोस्ट



वांटेड सूची में शामिल किया था। वह इस सूची में शामिल होने वाला 543वां भगोड़ा है। अमेरिकी एजेंसी के मुताबिक, बराड़ लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह का उत्तरी अमेरिका में कथित प्रमुख है। इस गिरोह पर अमेरिका और कनाडा में कई हिंसक अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। एफबीआई के अनुसार, इन अपराधों में राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की लक्षित हत्याएं, गोलीबारी, हत्या, अपहरण, जबरन वसूली, हमले और मादक पदार्थों व हथियारों की तस्करी शामिल हैं। अमेरिकी एजेंसी ने बराड़ को बेहद खतरनाक और हथियारबंद बताया है। अमेरिका में किन मामलों में गोल्डी पर केस दर्ज एफबीआई के मुताबिक, गोल्डी बराड़ के खिलाफ अमेरिका की संघीय अदालत में कई गंभीर आरोप दर्ज हैं। इनमें संगठित अपराध गिरोह चलाने की साजिश, जबरन वसूली के लिए साजिश और मादक पदार्थों के वितरण की साजिश शामिल है। अमेरिकी जांच एजेंसी ने बताया कि सात जुलाई 2026 को ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध गिरोहों से जुड़े 37 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए थे। इनमें लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ से जुड़े गिरोह के सदस्य भी शामिल हैं। एफबीआई के अनुसार, बिश्नोई गिरोह का नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है। इस गिरोह पर अमेरिका में भी हिंसक गतिविधियों, जबरन वसूली और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं। कनाडा ने टॉप-25 वांछितों की सूची में पहले स्थान पर क्यों रखा इससे पहले 19 नवंबर को कनाडा के बोलो प्रोग्राम ने देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की नई सूची जारी की थी। इसमें गोल्डी बराड़ को पहले स्थान पर रखा गया। कनाडा के विनिपेग पुलिस विभाग ने उसकी गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले को 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है। यह इनाम कनाडा या अमेरिका में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर मिलेगा। इसकी समयसीमा दो नवंबर 2027 तक है।

यूएनएससी में गतिरोध बरकरार- अगले महासचिव के नाम पर नहीं बनी बात, जानें क्या बात बन रही बाधा

अल्बानी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए महासचिव के चुनाव को लेकर गतिरोध जारी है। कार्यभार संभालने में अब सिर्फ 40 दिन बचे हैं। लेकिन एंटोनियो गुटेरेस के उत्तराधिकारी के नाम पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

उससे पहले नए महासचिव के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सुरक्षा परिषद ने गुप्त मतदान और अनौपचारिक परामर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी। शुक्रवार को काउंसिल के अनौपचारिक मतदान में यूएनसीटीएडी प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन सबसे आगे थीं, लेकिन उन्हें वीटो का अधिकार रखने



वाले दो स्थायी सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ा, जो उनके चुनाव में एक बाधा बन गया। कुल मिलाकर, कोस्टा रिका की रहने वालीं ग्रिनस्पैन को दस सकारात्मक वोट मिले। वह आठ उम्मीदवारों में अकेली ऐसी थीं, जिन्होंने नौ वोटों की जरूरी सीमा को पार किया। यह नौवां गुप्त मतदान था, जिसमें स्थायी सदस्यों की पहचान करने के लिए अलग-अलग रंगों वाले मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्किट चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें स्थायी सदस्यों की ओर से केवल दो नकारात्मक वोट मिले, जबकि कुल मिलाकर उन्हें छह सकारात्मक वोट प्राप्त हुए। अर्जेंटीना से ताल्लुक रखने वाले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख आठ सकारात्मक और तीन नकारात्मक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त अरब अमीरात की राज्य मंत्री लाना नुसैबेह सात सकारात्मक वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें भी स्थायी सदस्यों से तीन नकारात्मक वोट मिले। अमेरिका के स्थायी प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज ने उन उम्मीदवारों से दौड़ से बाहर होने को कहा, जिन्हें बहुत कम समर्थन मिल रहा है। मतदान से पहले उन्होंने कहा, अगर उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है, तो शायद अब समय आ गया है कि वे पीछे हट जाएं, ताकि काउंसिल उन उम्मीदवारों पर विचार कर सके जिन्हें कुछ हद तक समर्थन मिल रहा है। चूंकि यह मतदान गुप्त था, इसलिए यह पता नहीं चल सका कि किन स्थायी सदस्यों ने नकारात्मक वोट दिए। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों ने मांग की है कि अगला महासचिव इसी क्षेत्र से होना चाहिए। 1991 में जेवियर पेरेज डी कुएलर का कार्यकाल खत्म होने के बाद से, इस क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति ने यह पद नहीं संभाला है। उस बात को 35 साल बीत चुके हैं।

अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया तो खैर नहीं, एफबीआई चीफ की साइबर अपराधियों को दो टूक

वाशिंटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्तीय और कॉर्पोरेट तंत्र पर बढ़ते साइबर हमलों और तकनीकी रुकावटों के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने आक्रामक रुख अपना लिया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकी नागरिकों और व्यवसायों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई ने साइबर खतरों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर ऑपरेशन विंटर शील्ड शुरू करने का एलान किया है।

क्या है एफबीआई का ऑपरेशन विंटर शील्ड : एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि ऑपरेशन विंटर शील्ड का मकसद देश के साइबर डिफेंस को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सरकारी प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना है। पटेल ने कहा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई कर रही है। हमारा संदेश बिल्कुल साफ है- यदि आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाएंगे, तो कानून आपको ढूंढ निकालेगा। साइबर नीति के शीर्ष नेतृत्व में क्या बदलाव हुए हैं साइबर सुरक्षा को लेकर यह अमेरिका का यह आक्रामक रुख ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप प्रशासन ने अपने साइबर सुरक्षा नेतृत्व में बड़ा फेरबदल किया है।

नई नियुक्ति- व्हाइट हाउस ने कर्स्टन ए. डेविस को ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया है। स्थायी पद के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी जरूरी होने के कारण डेविस फिलहाल कार्यवाहक रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी।

पूर्व निदेशक का कार्यकाल : डेविस ने सीन केनक्रॉस का स्थान लिया है, जो अगस्त 2025 से संघीय साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति की देखरेख कर रहे थे।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने डेविस की नियुक्ति का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि वह अमेरिका की साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

जेपी मॉर्गन चेस के ग्राहकों का डेटा कैसे हुआ प्रभावित : अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में साइबर लचीलेपन (साइबर रेजिलिएंस) को लेकर चिंताएं उस वक्त और बढ़ गईं जब देश के सबसे बड़े बैंकों में शामिल जेपी मॉर्गन चेस ने अपने तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं (थर्ड-पार्टी वेंडर्स) पर साइबर हमले का खुलासा किया। इस हमले में बैंक के लगभग 16,000 सबसे धनी ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी प्रभावित होने की आशंका है। यह लीक बैंक के विशेष रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जो निमंत्रण-आधारित वीजा क्रेडिट कार्ड है और जिसके लिए आम तौर पर प्रबंधन के तहत एक करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति होना आवश्यक होता है।

अमेरिका में हैकर्स का फिर हमला- एफबीआई के आपराधिक रिकॉर्ड्स में दूसरी बार लगी सेंध, जानें यह कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा सुरक्षा तंत्र को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के सबसे महत्वपूर्ण नेशनल क्राइम इंफॉर्मेशन सेंटर डेटाबेस में सेंधमारी का गंभीर मामला सामने आया है। हाल के महीनों में देश के अपराध रिकॉर्ड को निशाना बनाने वाली यह दूसरी बड़ी साइबर सुरक्षा घटना है। यह हैक ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी प्रशासन बैंकिंग और बुनियादी ढांचा प्रणालियों में आई तकनीकी रुकावटों के बाद सार्वजनिक विश्वास बहाल करने में जुटा हुआ था।

नवीनतम सेंधमारी ने एफबीआई के जिस देशव्यापी आपराधिक सूचना डेटाबेस को निशाना बनाया है, वह पूरे अमेरिकी कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए जीवन रेखा के समान है।

संवेदनशील रिकॉर्ड : इसमें फरार अपराधियों (भगोड़ों), चोरी की संपत्तियों, अदालती वारंटों, बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और अन्य गंभीर आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रहती है।

सूचना तंत्र पर असर : जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस ब्रीच के चलते संघीय, राज्य और स्थानीय एजेंसियों के बीच महत्वपूर्ण सूचनाओं के सुरक्षित आदान-प्रदान में बड़ी बाधा उत्पन्न होने की आशंका है। ताजा साइबर ब्रीच पर एफबीआई निदेशक की



क्या प्रतिक्रिया रही एफबीआई अधिकारियों को इस नई साइबर सुरक्षा घटना की जानकारी मिलने के बाद, एजेंसी के निदेशक कश पटेल फॉक्स न्यूज पर सामने आए। पटेल ने एफबीआई के साइबर सुरक्षा कार्यों का बचाव करते हुए एक ऐसे ऑपरेशन पर विस्तार से बात की, जो वास्तव में महीनों पहले ही पूरा हो चुका था। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों के सिस्टम अपडेट करवाना और हैकर्स को संवेदनशील डेटा तक पहुँचने से रोकना था। ऑपरेशन विंटर शील्ड का उल्लेख- पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का ज़िक्र इस तरह किया मानो वह कार्रवाई वर्तमान में भी सक्रिय हो। प्रशासनिक नीतियों का बचाव- उन्होंने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा हेतु सिस्टम अपडेट करने के लिए मौजूदा प्रशासन की सराहना की और तर्क दिया कि पूर्ववर्ती प्रशासन भी ये तकनीकी सुधार कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भर्ती वेबसाइट पर हमला- इसी वर्ष सितंबर में शाइनीहंटर्स नामक हैकर समूह ने एफबीआई की भर्ती (जॉब) वेबसाइट को निशाना बनाया था, जिसमें एजेंसी कर्मचारियों का संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ था। इस मामले में एक कनाडाई साइबर सुरक्षा शोधकर्ता और लेखक को गिरफ्तार भी किया गया है। कर्मचारियों का असंतोष- उस हमले के बाद कई कर्मचारियों में रोष था क्योंकि उन्हें समय पर यह तक स्पष्ट नहीं किया गया था कि उनका व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ है या नहीं, और पीड़ितों को दिए गए सुरक्षा संसाधन भी नाकाफी थे।

न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस हैक (2023): इससे पहले वर्ष 2023 में हैकर्स ने एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाई थी, जिसका इस्तेमाल बाल यौन शोषण मामलों और जेफरी एपस्टीन जांच से जुड़ी फाइलों को रखने के लिए किया जाता था।

वित्तीय और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए क्या हैं खतरे : एफबीआई डेटाबेस में यह ताजा सेंधमारी ऐसे नाजुक मोड़ पर सामने आई है, जब अमेरिकी संस्थाएं व्यापक तकनीकी संकट से जूझ रही हैं। हाल के दिनों में प्रमुख बैंकों, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों में भारी तकनीकी रुकावटें (आउटेज) दर्ज की गई हैं।

संक्षिप्त डायरी

ओडिशा से शुरू हुआ काला कारोबार वाराणसी तक पहुंचा, सात राज्यों तक फैला नेटवर्क

एजेंसी

वाराणसी। नकली दवा का कारोबार ओडिशा से शुरू हुआ। सात महीने में ये काला कारोबार सात राज्यों तक फैल गया। इस अंतरराज्यीय नेटवर्क की पहली बड़ी कार्रवाई ओडिशा के दो जिलों में हुई। जिसके बाद परत दर परत राज खुलने लगा। बड़े ब्रांडों की नकली दवाएं तैयार कर पांच राज्यों में खपाने के गिरोह के सरगना अभिषेक सिंह समेत तीन लोगों की गिरफ्तारी एसटीएफ ने की, लेकिन नकली दवाएं लाइसेंसी फर्मों की आड़ में इसे खपाने का खेल सात साल पहले से चल रहा था। तब इसके साझेदार दूसरे थे अब दूसरे हैं। ओडिशा से शुरू हुआ नकली दवाओं का कारोबार देखते-ही-देखते सात राज्यों तक फैल गया। 2023 में ओडिशा की टीम ने इस नेक्सस को उजागर किया। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में तैयार की जा रही नकली दवाएं लाइसेंसी फर्मों की आड़ में ओडिशा के झारसुगुड़ा और बरगढ़ तक पहुंचाई जा रही थीं। इस अंतरराज्यीय नेटवर्क की पहली बड़ी कार्रवाई ओडिशा के इन्हीं दो जिलों में हुई। टीम ने सुनील अग्रवाल और अमित कुमार सरावगी को गिरफ्तार किया। जांच की कड़ियां वाराणसी तक पहुंचीं तो एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर 25 लाख रुपये की नकली दवाएं बरामद कीं। इसी नेटवर्क का एक अहम सिरा गिरोह के सरगना अभिषेक सिंह से जुड़ा जिसे एसटीएफ और ओडिशा की टीम ने साल 2023 में वाराणसी से गिरफ्तार किया था। अभिषेक सिंह समेत पांच अभियुक्तों को ओडिशा की टीम ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई। इसके बाद जमानत लेकर बाहर आए अभिषेक सिंह ने फिर से नेटवर्क को सक्रिय किया। साथ ही साझेदार बदल दिए। उसने नकली दवाओं के कारोबार का साझेदार मोहम्मद हसीन और मोनू कुमार समेत अन्य को बनाया। पंजाब, हरियाणा, यूपी और बिहार में नकली दवाएं सप्लाई करने लगा। अभिषेक सिंह को एसटीएफ ने चितईपुर से 18 नवंबर को गिरफ्तार। जबकि हसीन और मोनू कुमार रजपुरा से पकड़ा। जांच एजेंसियां अब इन ठिकानों और सप्लाई नेटवर्क की कड़ियां जोड़ रही हैं। भूसे के पाउडर से बना रहे थे दवाएं, कच्चे माल के स्रोत की जांच शुरू, मामले में अब तक दो गिरफ्तारी हिमाचल प्रदेश लाइसेंसी फर्मों से ओडिशा पहुंचाते थे नकली दवाएं इससे पहले ओडिशा में नकली दवाओं की सप्लाई के मामले में एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने केदारघाट और टड़िया चकबीही क्षेत्र से अभिषेक सिंह समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस की चार्जशीट तब इनके पास से 25 लाख की नकली दवाएं, फर्जी बिल, पांच मोबाइल और एक लैपटॉप बरामद होना दिखाया गया। दो मार्च को सिगरा क्षेत्र से साढ़े सात करोड़ रुपये की नकली दवाएं बरामद की गई थीं। वाराणसी एसटीएफ ने अभिषेक सिंह समेत दो को केदारघाट से पकड़ा। पूछताछ के बाद अन्य तीन की गिरफ्तारी हुई थी। माचल प्रदेश से नकली दवाएं मंगवाकर लाइसेंसी फर्मों के जरिये ओडिशा भेजी जाती थीं जो बरगढ़ के अशोक मेडिकल हॉल और झारसुगुड़ा के अमित मेडिकल एजेंसी तक पहुंचती थीं। 2023 की गिरफ्तारी अहम कड़ी है। एसटीएफ यह पता लगाने में जुटी है कि बद्दी की फैक्टरी से तैयार नकली दवाएं किन-किन राज्यों और जिलों में भेजी गईं, इस कारोबार में और कौन लोग शामिल हैं और गिरोह ने दोबारा किस तरह अपना नेटवर्क खड़ा किया।

ट्रैक पर मिला महिला का शव, सिर और धड़ अलग मिला, पति पर ट्रेन के आगे धक्का देने का आरोप, परिजन बेहाल

एजेंसी

कानपुर आईआईटी क्रॉसिंग के पास रविवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई, जिसका सिर और धड़ अलग-अलग पड़े मिले हैं। मृतका की मां ने पति पर ट्रेन के आगे धक्का देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। कानपुर में आईआईटी क्रॉसिंग के पास रविवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। महिला की मां ने उसके पति पर ट्रेन के आगे धक्का देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटनास्थल पर महिला का सिर और धड़ अलग-अलग पड़े मिले। नानकारी निवासी सिमरन (28) की शादी 11 नवंबर 2019 को अमन कुमार से आर्य समाज सम्मेलन में हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। सिमरन की मां रमा के मुताबिक, दोनों कक्षा नौ से इंटर तक साथ पढ़े थे। शादी के बाद दोनों की चार साल की बेटी अनुभा हुई। अमन आईआईटी में प्रोजेक्ट कर्मचारी है, जबकि सिमरन आईआईटी परिसर स्थित एक बंगले में घरेलू काम करती थी। छह महीने से सिमरन मायके में रह रही थी सिमरन की मां का आरोप है कि अमन बेटी को घरेलू खर्च नहीं देता था। आए दिन किसी न किसी बात पर उसके साथ मारपीट करता था। इसी से परेशान होकर सिमरन ने नौकरी शुरू की, तो पति उसका विरोध करने लगा। विवाद बढ़ने पर करीब छह महीने से सिमरन मायके में रह रही थी। दो सप्ताह पहले पति की तबीयत खराब होने की जानकारी मिलने पर वह खुद ससुराल चली गई थी। मां के मुताबिक, रविवार सुबह लोगों से जानकारी मिली कि सिमरन और अमन घर से झगड़ते हुए आईआईटी क्रॉसिंग पहुंचे थे। आरोप है कि क्रॉसिंग से करीब 20 मीटर दूर अमन ने सिमरन को ट्रेन के आगे धक्का दे दिया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची जीआरपी अनवरगंज ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रूस में फंसे सोहन से परिजन का टूटा संपर्क, पुलिस बोली- क्या उसे ढूंढने विदेश जाएंगे, मां लगा रही गुहार

एजेंसी

कानपुर नौकरी के झांसे में आकर रूस गए कानपुर के पनकी क्षेत्र निवासी सोहन से 18 नवंबर के बाद से परिजनों का पूरी तरह संपर्क टूट गया है और टेलीग्राम पर चार लाख रुपये न देने पर सिर काटने व यूक्रेन युद्ध में भेजने की धमकी मिलने के बाद वह प्लेटफॉर्म भी बंद हो गया है। रूस में फंसे सोहन का अपने परिजन से संपर्क टूट गया है। बीते चार दिनों से उसका मोबाइल फोन बंद जा रहा है। जिस टेलीग्राम पर परिजन को धमकी भरे मैसेज किए जा रहे थे वो भी अब बंद हो गया। मां मोबाइल सिरहाने पर रख कर सोती हैं कि पता नहीं कब फोन की घंटी बजे और दूसरी तरफ से बेटे की आवाज सुनाई दे जाए। परिजन के अनुसार 18 नवंबर से उसका मोबाइल बंद जा रहा है। मां हंसमुखी ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ से बेटे को सुरक्षित वापस लाने की गुहार लगाई है। परिजन के मुताबिक, सोहन को 11 अक्तूबर को पनकी निवासी रोमी पाल ने नौकरी का झांसा देकर रूस भेजा था। दिवाली पर बहन खुशबू ने घर लौटने को कहा तो उसने 11 नवंबर को आने की बात कही थी लेकिन चार नवंबर को उसका मोबाइल बंद हो गया। इसके बाद 15 से 17 नवंबर तक टेलीग्राम पर संतोषी नाकामोटो के नाम से संदेश आने लगे। इसमें चार लाख रुपये रकम न देने पर सोहन का सिर काटने और उसे यूक्रेन युद्ध में भेजने की धमकी दी गई। बड़े भाई रामजीत पाल के मुताबिक, आखिरी चैट में चार हजार डॉलर कीमत का सामान गायब होने की बात कही गई थी। संदेश में साफ लिखा था कि जब तक सामान की पूरी कीमत नहीं चुकाई जाएगी, सोहन का पता नहीं बताया जाएगा। परिजन ने रूस भेजने वाले रोमी पाल के साथ एक पुलिसकर्मी और जैद खान नाम के युवक पर भी संदेह जताया है। मामले में दूतावास से किया जा रहा है संपर्क पुलिस ने रोमी पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्जकर उससे पूछताछ की लेकिन कोई खास जानकारी नहीं मिली। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि मामले में दूतावास से संपर्क किया जा रहा है। परिजन ने जिस पुलिसकर्मी पर संदेह जताया है वह फजलगंज थाने में तैनात है। उसका कहना है कि वह केवल रोमी के यहां बाइक की सर्विस कराता था। सोहन को रूस भेजने के मामले में उसे कोई जानकारी नहीं है। सोहन का मोबाइल बंद होने के बाद परिवार घबराकर सबसे पहले रतनपुर चौकी और फिर पनकी थाने पहुंचा। परिजन का आरोप है कि वहां उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि क्या उसे ढूंढने विदेश जाएंगे, दूतावास में संपर्क करो। परिवार ने 19 नवंबर को सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने संपर्क किया। परिजन के मुताबिक, चार-पांच साल पहले सोहन दुबई में नौकरी करने जाना चाहता था। परिवार ने घर के सबसे छोटे और चहेते बेटे को अपने पास रखने के लिए रतनपुर में ही बाइक सर्विस का गैराज खुलवा दिया। इसके बाद भी विदेश जाने की इच्छा उसके मन से नहीं गई।

दवाओं की खरीद में अनियमितता पर हाईकोर्ट सख्त, 10 दिन में मांगी जांच रिपोर्ट; गठन होगी एसआईटी

एजेंसी

वाराणसी। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से संबद्ध सर सुंदरलाल अस्पताल में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में हुई कथित अनियमितताओं के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अत्यंत सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने विश्वविद्यालय प्रशासन को कड़ा निर्देश देते हुए कहा है कि वह 10 दिनों के भीतर इस पूरे मामले की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करे। कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर रिपोर्ट दाखिल नहीं की जाती है, तो बीएचयू के कुलपति या रजिस्ट्रार को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होना पड़ेगा। न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की



खंडपीठ ने अमित कुमार मिश्र और दो अन्य लोगों की ओर से दाखिल की गई जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए यह महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। कोर्ट ने कुलपति और रजिस्ट्रार को निर्देश दिया है कि वे मामले की जांच के लिए गठित समितियों की रिपोर्ट और उस पर अब तक की गई कार्रवाई का पूरा ब्योरा एक विस्तृत शपथपत्र (हलफनामे) के साथ कोर्ट के समक्ष रखें। इसके अतिरिक्त, अदालत ने इस प्रकरण में राज्य सरकार को भी अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 दिसंबर की तारीख तय की गई है। याचिका में लगाए गए हैं गंभीर आरोप दाखिल की गई जनहित याचिका में बीएचयू अस्पताल में दवाओं और सर्जिकल सामग्री की खरीद प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर वित्तीय और प्रशासनिक गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाया गया है। याचिकाकताओं का दावा है कि खरीद प्रक्रिया में निर्धारित नियमों को ताक पर रखते हुए बिना टेंडर जारी किए ही सामान खरीदा गया। इसके साथ ही, बाजार मूल्य से कहीं अधिक बढ़ी हुई कीमतों पर खरीद दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। याचिका में यह भी गंभीर आरोप लगाया गया है कि अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए घटिया स्तर की चिकित्सा सामग्री खरीदी गई, जो सीधे तौर पर मरीजों की जान से खिलवाड़ है। याचिकाकताओं ने पूरे घोटाले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का निर्देश दिए जाने की मांग की है। जांच रिपोर्ट दबाने का दावा सुनवाई के दौरान याचियों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा गठित आंतरिक जांच समितियों ने अगस्त और सितंबर 2026 में ही अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। इन रिपोर्टों में खरीद प्रक्रिया के दौरान हुई गंभीर अनियमितताओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। अधिवक्ता ने दलील दी कि ठोस सबूत और जांच रिपोर्ट सामने होने के बावजूद कुलपति की ओर से दोषियों के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इतना ही नहीं, पारदर्शिता बरतने के बजाय इन जांच रिपोर्टों को सार्वजनिक भी नहीं किया गया और मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के कड़े आदेश मामले की गंभीरता और सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका को देखते हुए हाईकोर्ट ने दवाओं और उपकरणों की खरीद से जुड़े सभी दस्तावेजों और रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने का सख्त आदेश दिया है। इन दस्तावेजों में टेंडर से जुड़ी फाइलें, आपूर्ति आदेश, स्टॉक रजिस्टर, बिल और भुगतान वाउचर प्रमुख रूप से शामिल हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई तक इन रिकॉर्डों को न तो नष्ट किया जाएगा और न ही इनमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की जाएगी। यदि रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी पाई गई, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

30 रुपये का नेबुलाइजर 500 में, 87 रुपये का सिरप 200 में बेच रहे निजी अस्पताल

एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में दवाओं की मनमानी कीमत वसूले जाने और बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के दवा वितरण की शिकायतें सामने आई हैं। पड़ताल में 30 रुपये का नेबुलाइजर 500 रुपये और 87 रुपये का सिरप 200 रुपये में बेचने के मामले मिले। वाराणसी जिले के निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में मरीजों से दवाओं के नाम पर मनमानी कीमत वसूली जा रही है। पड़ताल में सामने आया कि करीब 25 फीसदी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में दवाओं की एमआरपी और ट्रेड रेट के बीच बड़ा अंतर रखकर बिक्री की जा रही है। 30 रुपये का नेबुलाइजर 500 रुपये में और 87 रुपये का सिरप 200 रुपये में बेचा जा रहा है। दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एमआरपी और ट्रेड रेट को लेकर सौदेबाजी की जा रही है। शनिवार को मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनकर पहुंची टीम की पड़ताल में अस्पतालों और नर्सिंग होम की यह स्थिति सामने आई। छोटे कमरों और खिड़कियों से दी जा रहीं दवाएं सबसे अधिक अनियमितताएं महिलाओं की डिलीवरी से जुड़े अस्पतालों में सामने आईं। कई जगहों पर महज पांच बाई पांच फीट के कमरे से दवाओं की बिक्री की जा रही है। कुछ अस्पतालों में कमरे के बाहर बनी खिड़की से ही मरीजों को दवाएं दी जा रही हैं। दवाएं देने वाले कई कर्मचारी फार्मासिस्ट भी नहीं हैं। इससे दवाओं के वितरण की व्यवस्था और मरीजों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और इसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार दवाओं के वितरण के लिए निर्धारित मानकों का पालन जरूरी है। फामेर्सी प्रैक्टिस रेगुलेशंस, 2015 के तहत पंजीकृत फार्मासिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण है। फार्मासिस्ट को डॉक्टर के पर्चे की जांच कर दवाएं देनी होती हैं। इसके लिए सफेद एप्रन और नाम व पंजीकरण संख्या वाला बैज पहनने का भी प्रावधान है। दवा बिक्री के लिए निर्धारित है जगह का मानक दवा की खुदरा बिक्री के लिए न्यूनतम 10 वर्ग मीटर यानी करीब 108 वर्ग फुट कारपेट एरिया का मानक निर्धारित है।

काशी में ठहरना हुआ शाही, गंगा किनारे सुइट 4 लाख, क्रूज पांच लाख तक

एजेंसी

वाराणसी। देव दीपावली पर काशी में पर्यटकों की भारी भीड़ के चलते होटल और क्रूज की बुकिंग फुल हो चुकी है। गंगा किनारे हेरिटेज होटल के सुइट का किराया चार लाख और अलकनंदा क्रूज की बुकिंग पांच लाख रुपये तक पहुंच गई है। पर्यटन कारोबार से 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई का अनुमान है। देव दीपावली पर काशी में पर्यटकों की भारी भीड़ के चलते होटल, गेस्ट हाउस से लेकर क्रूज और नावों तक की बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है। 24 नवंबर को होने वाले दीपोत्सव को देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं। गंगा किनारे स्थित हेरिटेज होटलों के प्रीमियम सुइट का एक रात का किराया चार लाख रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, लग्जरी क्रूज के विशेष पैकेज साढ़े तीन लाख रुपये तक में बुक हो रहे हैं। पांच लाख रुपये में 60 सीटों वाले अलकनंदा क्रूज की बुकिंग भी हो चुकी है। होटल नहीं मिलने पर पर्यटकों को होम स्टे का सहारा लेना पड़ रहा है,



जहां सामान्य कमरे का किराया भी सात से आठ हजार रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गया है। होटल और गेस्ट हाउस पूरी तरह फुल देव दीपावली को लेकर काशी के पर्यटन कारोबार में तेजी आई है। शहर के तारांकित होटलों से लेकर बजट होटल, लॉज और धर्मशालाओं तक में कमरे उपलब्ध नहीं हैं। कई महीने पहले ही एडवांस बुकिंग हो जाने के कारण आखिरी समय में आने वाले पर्यटकों को ठहरने के लिए विकल्प तलाशने पड़ रहे हैं। गंगा घाटों का सीधा नजारा दिखाने वाले हेरिटेज और लग्जरी होटलों की मांग सबसे अधिक है। इन होटलों के प्रीमियम सुइट का किराया एक रात के लिए चार लाख रुपये तक पहुंच गया है। पर्यटक बालकनी से गंगा आरती और दीपों की जगमगाहट देखने के लिए इतनी बड़ी रकम खर्च कर रहे हैं। होटल में जगह नहीं मिलने के कारण पर्यटक होम स्टे और पेइंग गेस्ट की ओर रुख कर रहे हैं। सामान्य सुविधाओं वाले होम स्टे भी सात से आठ हजार रुपये प्रतिदिन की दर से बुक हो रहे हैं। होटलों के साथ गंगा में क्रूज और नावों पर सवार होकर दीपोत्सव देखने के लिए भी पर्यटक बड़ी रकम खर्च कर रहे हैं। प्रमुख क्रूज की बुकिंग पहले ही पूरी हो चुकी है। लग्जरी क्रूज के विशेष पैकेज साढ़े तीन लाख रुपये तक पहुंच गए हैं। 60 सीटों वाले अलकनंदा क्रूज को एक विदेशी समूह ने पांच लाख रुपये में बुक किया है। वहीं, 100 सीटों वाले सैम मानिकशॉ क्रूज की बुकिंग 15 हजार रुपये प्रति यात्री की दर से हुई है। इस तरह पूरे क्रूज की बुकिंग करीब 15 लाख रुपये में हुई। क्रूज का सफर शाम 5:30 बजे से रात 9:30 बजे तक यानी अधिकतम चार घंटे का होगा। पर्यटकों की बढ़ती संख्या से पर्यटन क्षेत्र के कारोबारियों को काफी उम्मीदें हैं। नावों की क्षमता से आधी सवारी बैठाने के निर्देश देव दीपावली पर गंगा में नावों और बजड़ों की मांग भी बढ़ गई है। पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए नाविकों को नाव की निर्धारित क्षमता से आधी सवारी ही बैठाने के निर्देश दिए गए हैं। होटल और प्रमुख क्रूज की बुकिंग पूरी होने के बाद अब पर्यटकों के सामने बजड़े और अन्य नावों का विकल्प बचा है।

अलीगढ़ में हल्दी-मेहंदी, मढ़ौली में गूंजे मंगल गीत

एजेंसी

अलीगढ़ यूपी के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह और उनके भाई सौरभ सिंह की शादी की रस्में शुरू हो गई हैं। 25 नवंबर तक राज पैलेस में गीतों का दौर चलेगा। 26 नवंबर को दिल्ली में शादी और 27 नवंबर को रिसेप्शन होगा। यूपी बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह और उनके छोटे भाई सौरभ सिंह की शादी की तैयारियों के क्रम में पैतृक गांव मढ़ौली में शनिवार शाम से मंगल गीतों की शुरूआत हो गई। दिन में अलीगढ़ में हल्दी और मेहंदी की रस्म होने के बाद शनिवार शाम छह बजे से रात नौ बजे तक गांव मढ़ौली में शादी के पारंपरिक गीत गाकर पांच दिवसीय गीतों के शुरूआत हो गई। महिलाओं ने लोक नृत्य कर खुशियां मनाईं। कार्यक्रम की शुरूआत मंत्री के दादा और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीपक जलाकर की गई। इस दौरान पूरा माहौल भावुक हो गया। गांव के बुजुर्गों ने बाबूजी को याद किया और उनके आशीर्वाद से ही शादी की रस्मों की शुरूआत होने की बात कही। कार्यक्रम में कल्याण सिंह की पत्नी रामवती देवी और पूर्व विधायक प्रेमलता वर्मा की मौजूदगी में महिलाओं ने शादी के गीत गाए और नृत्य किया। महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों के माध्यम से दूल्हों को बधाई दी और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। गांव में पूजन आदि किया गया और मंगल गीतों के बाद बताशे-लड्डू वितरित कर महिलाओं को शादी की खुशी में उपहार दिए गए। मढ़ौली में गीतपूर्व मंत्री राजवीर सिंह भी गांव के बुजुर्गों के पास काफी देर बैठे और शादी-विवाह में होने वाली विभिन्न पारंपरिक रीति-रिवाजों की बात कर उन्हें निभाने की शुरूआत की। उन्होंने बुजुर्गों से कहा कि शादी में पुरानी मान्यताओं और परंपराओं को पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से निभाया जाएगा। पूर्व विधायक प्रेमलता वर्मा ने कहा कि मढ़ौली हमारा गांव है, यहां बाबूजी की तमाम यादें हैं। बाबूजी के पैतृक घर से पांच दिन के गीतों की शुरूआत की गई है। इसके अलावा पूर्वज और दई-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई। बाग पर भी पूजन किया गया। उन्होंने कहा कि यह शादी केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र की खुशी है। मढ़ौली से शुरू होकर अगले पांच दिनों यानी 25 नवंबर तक राज पैलेस में मंगल गीतों और पारंपरिक रस्मों का दौर चलेगा, जिसमें गांव की महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग लेंगी। 26 नवंबर को दोनों भाईयों की दिल्ली में शादी होगी और 27 नवंबर को रात आठ बजे रिसेप्शन होगा।

पांच जुआरियों को जुआ खेलते हुये दबोचकर 6 हजार रुपये बरामद करने में मिली पुलिस को कामयाबी

हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर) जरिया पुलिस ने अपराधों की रोकथाम जबकि अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत ग्राम पवई स्थित मेड़े की पुलिया के पास जुआ खेल रहे 5 जुआरियों को दबोचकर 6 हजार 50 रुपये के साथ ही ताश के 52 पत्ते बरामद करने में कामयाबी हासिल की। जरिया थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय ने बताया कि पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ मु0अ0सं0 204/2026 धारा 13 जुआ एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। जबकि गिरफ्तार जुआरियों में 28 वर्षीय शिवम सोनी पुत्र लखन, वहीं 30 वर्षीय शिवसिंह पुत्र रामगोपाल, जबकि 32 वर्षीय नरेश कुमार राजपूत पुत्र ठाकुरदास, वहीं 32 वर्षीय महेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र हल्के प्रसाद सहित 29 वर्षीय सतीश कुमार अनुरागी पुत्र दयानन्द, निवासी ग्राम पवई, जरिया शामिल हैं। जबकि पकड़े गये जुआरी



शिवम सोनी के खिलाफ पहले से ही मु0अ0सं0 193/2020 धारा 147/148/149/323/504/506 भा0द0सं0, थाना जरिया। मु0अ0सं0 22/2023 धारा 13 जुआ अधिनियम, थाना जरिया, मु0अ0सं0 133/2025 धारा 115(2)/351(3)/352 बीएनएस, थाना जरिया, मु0अ0सं0 204/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम, सहित चार मामले दर्ज हैं, वहीं जुआरी महेन्द्र सिंह राजपूत के खिलाफ मु0अ0सं0 321/2023 धारा 13 जुआ अधिनियम, जरिया, मु0अ0सं0 146/2025 धारा 13 जुआ अधिनियम, मु0अ0सं0 204/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम, थाना जरिया सहित तीन मामले पहले से ही दर्ज हैं। जुआरियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में एस आई अवधेश उपाध्याय, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार सहित कांस्टेबल सूरज कुमार शामिल रहे।

शादी की आतिशबाजी से प्लास्टिक के गोदाम में लगी आग

एजेंसी

मुजफ्फरनगर। शहर के कूकड़ा क्षेत्र में सदर ब्लॉक कार्यालय के निकट शनिवार सुबह करीब छह बजे प्लास्टिक के बोरों के गोदाम में आग लग गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठती देखकर आसपास क्षेत्र के लोगों में दहशत फैल गई। आग बुझाने के लिए शहर और आसपास के स्टेशनों से भी गाड़ियां बुलानी पड़ी। अग्निशमन विभाग कर्मचारियों ने करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दो करोड़ के नुकसान का अनुमान है। पास ही बैंक्वेट हॉल में चल रहे शादी समारोह में आतिशबाजी से आग लगने की आशंका है। नई मंडी थाना क्षेत्र के सदर ब्लॉक कार्यालय के समीप व्यापारी मनोज खंडेलवाल की बालाजी ट्रेडिंग कंपनी का गोदाम है। यहां प्लास्टिक के बोरे एवं अन्य



बारदाना एकत्र कर रखा जाता है। शनिवार सुबह आग देखकर सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास की कई दुकानें खाली कराई गईं। आग से गोदाम के बगल में स्थित एक अन्य बैंक्वेट हॉल को भी मामूली नुकसान पहुंचा। गोदाम स्वामी के पुत्र नक्षत्र खंडेलवाल ने बताया कि उनका गेहूं-चावल के बोरे एवं अन्य बारदाना सप्लाई करने का काम है। इसके लिए उन्होंने करीब 3600 वर्ग फीट का एक गोदाम किराए पर लिया हुआ है। बताया कि उनके गोदाम में तीन करोड़ से अधिक का माल स्टॉक था। गोदाम पर स्टॉक कर देश के झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों सहित बांग्लादेश तक प्लास्टिक के बोरे सप्लाई किए जाते थे। शनिवार सुबह उन्हें गोदाम पर आग लगने की सूचना मिली। वह पापा और मम्मी के साथ मौके पर पहुंचा और आग बुझाने का प्रयास किया। तब तक अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां भी पहुंच चुकी थी। बताया कि देखते-ही-देखते आग बेकाबू होते चली गई। जिसके बाद अन्य स्टेशनों से भी गाड़ियां बुलाई गईं। एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। बताया कि संभवतः गोदाम के सामने स्थित बैंक्वेट हॉल से विदाई के दौरान की गई आतिशबाजी के कारण आग लगी। विदाई के समय आतिशबाजी से निकली चिंगारी से लगी आग नक्षत्र खंडेलवाल ने बताया कि उनके गोदाम के सामने एक बैंक्वेट हॉल है। जहां एक वैवाहिक समारोह चल रहा था। शनिवार सुबह विदाई के समय बैंक्वेट हॉल से आतिशबाजी की गई। बताया कि आतिशबाजी के दौरान पटाखों की एक पेटी पलट गई। पेटी से निकलने वाले पटाखों की दिशा उनके गोदाम की ओर हो गई। इस कारण आग लगने से उनका काफी नुकसान हुआ। रोते-रोते बिगड़ी कारोबारी की हालत, बुलानी पड़ी एंबुलेंस गोदाम से निकल रही आग की भीषण लपटें देख कारोबारी मनोज खंडेलवाल और उनके पुत्र अक्षय खंडेलवाल बिलख पड़े। मौके पर पहुंचे व्यापारी नेताओं ने उन्हें ढाढ़स बंधाने का प्रयास किया। कारोबारी ने कहा कि उनकी बीस साल की मेहनत आग में जल गई। इसी दौरान अचानक उनकी हालत बिगड़ गई। इसके चलते एंबुलेंस बुलाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। सपा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, व्यापारी नेता संजय मिश्रा, सचिन अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर कारोबारी को ढाढ़स बंधाया। दिवाली के कारण बढ़ गया स्टॉक व्यापारी नेता और दि गुड़ खंडसारी एवं ग्रैन मर्चेंट एसोसिएशन अध्यक्ष संजय मित्तल ने कहा कि गोदाम में 40 हजार से अधिक बोरों का स्टॉक किया गया था। दिवाली के दौरान ट्रांसपोर्टेशन बंद रहा जिस कारण गोदाम पर स्टॉक की अधिकता हो गई थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग सिंह ने बताया कि आग पर काबू पाने में करीब ढाई घंटे का समय लगा। आग बुझाने के लिए स्थानीय सहित बुढ़ाना और जानसठ से गाड़ियां बुलानी पड़ी। बताया कि बिंदल, जीनस और नीलांचल पेपर मिल सहित आग बुझाने के लिए 12 गाड़ियां बुलाई गईं। आग के कारणों की जांच की जा रही है, आशंका है कि गोदाम के सामने स्थित बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह के दौरान की गई आतिशबाजी के कारण निकली चिंगारी से गोदाम में आग लगी।

टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की धरती पर बना दिया सबसे बड़ा स्कोर

भारत ने पहली पारी 9 विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की

वेलिंगटन, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम ने वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के चौथे दिन अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की।

न्यूजीलैंड के खिलाफ किसी भी टीम द्वारा एक पारी में बनाया गया यह सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाकर वेस्टइंडीज के 31 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा है। वेस्टइंडीज ने 1995 में वेलिंगटन में ही 5 विकेट पर 660 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी।न्यूजीलैंड में बना यह सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है।इससे पहले न्यूजीलैंड ने 2019 में हैमिल्टन में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पारी 6 विकेट पर 715 रन बनाकर घोषित की थी।



भारतीय टीम का यह टेस्ट क्रिकेट में तीसरा सबसे बड़ा और न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया गया तीसरा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है।

भारत ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। उस मैच में टीम इंडिया ने अपनी पारी 7 विकेट पर 759 रन बनाकर घोषित की थी। भारत का दूसरा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 2009 में श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबोर्न स्टेडियम में आया था। टीम इंडिया ने अपनी पारी 9 विकेट पर 726 रन बनाकर घोषित की थी। तीसरा सबसे बड़ा स्कोर इस मैच में बना है। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में बना 707 रन का स्कोर भारत का चौथा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में भारत ने 7 विकेट पर 705 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की थी। टेस्ट क्रिकेट में भारत का यह पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है।

न्यूजीलैंड को सताने लगा हार का डर

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने स्वीकार किया कि पहले टेस्ट के चौथे दिन रविवार को वेलिंगटन में भारतीय बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम 'बैकफुट' पर चली गई थी।भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर समाप्त घोषित की और इस तरह से पहली पारी में 352 रन की बढ़त बनाई। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए थे।न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 119 रन बनाए हैं। डेवोन कॉनवे और रविंद्र अभी क्रीज पर हैं और उनकी टीम भारत से 233 रन पीछे है।

रचिन रविंद्र बोले- हम मैच में अभी काफी पीछे चल रहे हैं

रचिन रविंद्र ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा, 'हम मैच में अभी काफी पीछे चल रहे हैं। भारत ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। हमारे लिए अब जितना संभव हो सके उतनी देर तक बल्लेबाजी करना जरूरी है।' मैच ड्रॉ कराने के लिए न्यूजीलैंड को अंतिम दिन 90 ओवर बल्लेबाजी करनी होगी और रविंद्र ने कहा कि न्यूजीलैंड को आगे के बारे में सोचने के बजाय एक-एक गेंद पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा, 'मैच को बचाना अभी काफी दूर की बात है, इसलिए हम एक-एक गेंद पर ध्यान देंगे। आखिरी दिन 90 ओवर का खेल होना है।' रविंद्र का मानना है कि वह आक्रामक बल्लेबाज हैं लेकिन परिस्थितियों के अनुसार अपनी आक्रामकता पर अंकुश लगाना भी सीख गए हैं। इसके अलावा उन्होंने साथी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे की भी तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह क्रीज पर पर्याप्त समय बिताते हैं तो बड़ा स्कोर बना सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं डेव का सबसे बड़ा समर्थक हूं। जब भी वह क्रीज पर पर्याप्त समय बिता देता है तो फिर बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहता है।'

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 153 गेंदों पर 128 रन की पारी

ऋषभ पंत बोले- अब करियर का लक्ष्य निरंतरता बनाए रखना है

वेलिंगटन, एजेंसी

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है।

पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है। उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'



मैदान पर रहना ही मुझे खुशी देता है

पंत ने कहा कि उन्हें मैदान पर रहना बेहद पसंद है। चाहे बल्लेबाजी हो या फील्डिंग, वह हर पल का आनंद लेने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि मैदान पर उतरना ही उनके लिए खुशी की बात है और वह हर दिन को सकारात्मक तरीके से जीना चाहते हैं। पंत ने कहा, 'मेरी एक खास बात है कि जब भी मैं मैदान पर उतरता हूं, चाहे बल्लेबाजी कर रहा हूं या फील्डिंग, मैं खूब आनंद लेना चाहता हूं। मैदान पर रहना मुझे खुशी देता है। मैं हर दिन मैदान पर बिताए जाने वाले समय का आनंद लेना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।

साउथ अफ्रीका के साथ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज

इंग्लैंड ने किया जैकब बेथल के रिप्लेसमेंट का ऐलान, बेन मैकिनी को किया शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच दिसंबर महीने में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जानी है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। इसके लिए इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 9 नवंबर को टीम का ऐलान कर दिया था। इसमें जैकब बेथल को भी शामिल किया गया था। लेकिन कुछ ही दिन पहले खबर आई कि वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में चोट के कारण हिस्सा नहीं ले सकेंगे। उन्हें टेस्ट सीरीज से बाहर होना पड़ा है। ऐसे में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अब जैकब बेथल के रिप्लेसमेंट का ऐलान किया है। उनकी जगह टीम में 22 वर्षीय खिलाड़ी बेन मैकिनी को शामिल किया गया। इस अनकैप्ड खिलाड़ी को अपना पहला सीनियर इंटरनेशनल कॉल-अप मिला है। अफ्रीका दौरे के लिए इंग्लैंड की अपडेटेड टीम में



जैकब बेथल की जगह बेन मैकिनी का नाम जुड़ गया है। बाकी पूरा स्क्वॉड पहले जैसा है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर टीम का हिस्सा हैं। गस एटकिंसन, सोनी बेकर, हैरी ब्रुक, सैम कुक जैसे खिलाड़ियों का टीम में स्थान तय है। जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट भी टीम में हैं। एमिलियो गे, डैन लॉरेंस जैसे खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल किए गए हैं। बेन मैकिनी, लियाम पैटरसन-व्हाइट, ओली रॉबिंसनसन, जेमी स्मिथ और जोश टंग भी साउथ अफ्रीका टूर के स्क्वॉड का हिस्सा हैं।

टी20 डेब्यू में ही रच दिया इतिहास

जमशेद आलम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में चार गेंदों में झटके चार विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

रेलवे के 23 वर्षीय दाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज जमशेद आलम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ टी20 पदार्पण को यादगार बनाते हुए चार गेंदों में चार विकेट लेने का कारनामा किया। वह इस प्रारूप में ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। डेली कॉलेज मैदान पर खेले गये मैच में आलम ने केवल नौ गेंदों में पांच विकेट हासिल किए। वह पुरुषों के टी20 क्रिकेट में पदार्पण पर पांच विकेट लेने वाले छठे भारतीय गेंदबाज भी बने।रेलवे के पांच विकेट पर 182 रन बनाने के बाद सौराष्ट्र की पारी के चौथे ओवर में आलम को गेंद मिली। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में



हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़, रुचित अहिर और सम्मार गज्जर को लगातार चार गेंदों पर आउट किया। उन्होंने अगले ओवर में सिद्धार्थ राणा का विकेट लेकर अपने पांच विकेट पूरे किये। उस समय सौराष्ट्र का स्कोर 30 रन पर छह विकेट था। देसाई का कैच जुबैर अली ने लपका। इसके बाद आलम ने मांकड़ को बोल्ड किया, जबकि गज्जर और राणा को पगबाधा आउट किया। अहिर विकेटकीपर को कैच देकर पवेलियन लौटे।

अंतिम ओवर में रहे महंगे

सौराष्ट्र की टीम आठ विकेट पर 153 रन ही बना सकी और 29 रन से मुकाबला हार गई। आलम ने अपने अंतिम ओवर में 17 रन दिए और 38 रन देकर पांच विकेट के साथ अपना स्पेल समाप्त किया। भारत के बाहर पुरुषों के टी20 क्रिकेट में केवल दो गेंदबाजों ने आलम से कम गेंदों में पांच विकेट लिए हैं। इंडोनेशिया के गेडे प्रियंदना ने 2025 में कंबोडिया के खिलाफ छह गेंदों में पांच विकेट लिए थे, जबकि फिनलैंड के महेश तांबे ने उसी वर्ष एस्टोनिया के खिलाफ आठ गेंदों में पांच विकेट हासिल किए थे।जमशेद से पहले, केवल दो भारतीयों ने यह कारनामा किया था। कर्नाटक के अभिमन्यु मिथुन ने 2019 में हरियाणा के खिलाफ 20वें ओवर में चार विकेट लिए थे, जबकि 2021 में विदर्भ के दर्शन नलकंडे ने कर्नाटक के खिलाफ इस उपलब्धि की बराबरी की थी।

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

हॉकी में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-1 से जीत दर्ज कर लगातार दूसरी सफलता हासिल की, लेकिन जीत के बावजूद टीम की कुछ कमजोरियां भी सामने आईं।

भारतीय टीम ने मुकाबले के शुरुआती दो क्वार्टर में पूरी तरह दबदबा बनाया। कोरियाई टीम को डिफेंसिव खेलने पर मजबूर किया, लेकिन गोल करने के कई मौके गंवाए। भारत को मैच में 12 से 13 पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से सिर्फ एक को गोल में बदला जा सका। ओलंपियन समीर दाद के मुताबिक, भारतीय टीम को आने वाले मुकाबलों में गोल स्कोरिंग चांस और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की क्षमता पर विशेष काम करना होगा। समीर दाद ने कहा कि भारतीय टीम ने मैच में डोमिनेट किया।



युवा गोलकीपर ने दिखाई परिपक्वता... कोरिया की गोलकीपर के प्रदर्शन पर समीर दाद ने कहा कि वह काफी युवा हैं और जूनियर वर्ल्ड कप से सीनियर टीम में आई हैं। जिस तरह का टेंपरामेंट और आत्मविश्वास उन्होंने दिखाया है, वह काबिलेतारीफ है। आने वाले समय में वह कोरिया की अच्छी गोलकीपर बन सकती हैं। समीर दाद के मुताबिक, कोरिया ने शुरुआती दो क्वार्टर में रक्षात्मक रणनीति अपनाई, जिसका भारतीय टीम ने फायदा उठाया। भारत नेकोरिया को अपने हाफ में खेलने पर मजबूर किया। हालांकि, आखिरी दो क्वार्टर में कोरिया ने अपना खेल बदला था।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

विदेशी निवेशकों को बड़ी राहत देने की तैयारी... सेबी हटाएगा अतिरिक्त खुलासे की शर्त, 11 दिसंबर तक मांगे सुझाव



मुंबई, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए अतिरिक्त खुलासे से जुड़े नियमों की समीक्षा करने जा रहा है। इसका मकसद विदेशी निवेशकों के लिए कारोबार करना आसान बनाना और भारतीय पूंजी बाजार को निवेश के लिहाज से अधिक आकर्षक बनाना है। सेबी ने शुक्रवार को इस संबंध में परामर्श पत्र जारी किया और प्रस्ताव पर 11 दिसंबर तक आम लोगों से सुझाव मांगे हैं। सेबी के मुताबिक, मौजूदा अतिरिक्त खुलासा व्यवस्था (एडीएफ) के तहत कुछ एफपीआई को अपने सभी ऐसे लोगों और संस्थाओं की विस्तृत जानकारी देनी होती है, जिनकी उनमें हिस्सेदारी, आर्थिक हित या नियंत्रण है। यह जानकारी अंतिम स्तर तक यानी सभी वास्तविक व्यक्तियों तक देनी होती है। इसके लिए हिस्सेदारी की कोई न्यूनतम सीमा तय नहीं है।

इन एफपीआई पर लागू हैं नियम... मौजूदा व्यवस्था में ये खुलासे उन एफपीआई के लिए जरूरी हैं, जो भारत में अपने कुल इक्विटी निवेश का 50% से अधिक किसी एक कॉरपोरेट समूह में लगाते हैं। इसके अलावा, जिन एफपीआई का अकेले या अपने निवेशक समूह के साथ भारतीय बाजार में इक्विटी निवेश 50,000 करोड़ रुपये से अधिक है, उन्हें भी यह जानकारी देनी होती है। अप्रैल 2025 में यह सीमा 25,000 करोड़ से बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये की गई थी। सेबी ने कहा कि कई बड़े बाजारों में वास्तविक मालिक की पहचान के लिए आमतौर पर 25 फीसदी हिस्सेदारी की सीमा है। वहीं, भारत में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम नियमों के तहत कानूनी स्वरूप के आधार पर यह सीमा 10 या 15 फीसदी है।

अमेरिकी वित्तमंत्री दे दिया बयान... चीन को पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है।एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी 'मेगास्पीड' की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे। बेसेंट का यह बयान अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा (हाउस) की विदेश मामलों की समिति की उस रिपोर्ट के एक दिन बाद आया है, जिसमें वाणिज्य विभाग द्वारा चिप निर्यात को दी गई मंजूरियों का खुलासा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य विभाग के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) ने 11 मई 2026 तक 21 लाइसेंस आवेदनों के जरिए 8,79,868 चिप्स के निर्यात, पुन: निर्यात या हस्तांतरण को मंजूरी दी थी। हालांकि, कंपनियों ने कुल 34 लाख से अधिक चिप्स के लिए आवेदन किया था। पेंटागन ने इन मंजूरियों से जुड़ी कई कंपनियों के संबंध चीनी सेना से होने की पहचान की है।



यूरोप के 27 देशों के बाजार में सामान बेचने का अवसर

भारत-ईयू के बीच 16 दिसंबर को व्यापार समझौते पर लग सकती है मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच दो दशक से अधिक समय से चल रही मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत अब नतीजे तक पहुंचती दिखाई दे रही है। दोनों पक्ष 16 दिसंबर को इस समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इससे भारतीय कारोबारियों और निर्यातकों को यूरोप के 27 देशों के बाजार में सामान बेचने का बड़ा अवसर मिलेगा।

समझौते के तहत भारत से होने वाले करीब 93 फीसदी निर्यात को शुल्क मुक्त पहुंच मिलने की संभावना है। वहीं, यूरोप से आने वाली लग्जरी कारें और शराब भी भारत में सस्ती हो सकती हैं। इसे दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई दिशा देने वाला समझौता माना जा रहा है।भारत और यूरोपीय संघ के बीच इस मुक्त व्यापार समझौते पर 16 दिसंबर को हस्ताक्षर होने की संभावना है। एक अधिकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर में ब्रसेल्स की यात्रा कर सकते हैं। इसी दौरान समझौते पर मुहर लगाई जा सकती है। भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत जीन-एरिक पाके ने भी हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी की ब्रसेल्स यात्रा के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उनके



मुताबिक, समझौता अगले साल से लागू हो सकता है। दोनों पक्षों ने इस साल 27 जनवरी को बातचीत पूरी कर ली थी। अब समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। यूरोपीय आयोग ने समझौते पर हस्ताक्षर और इसे अंतिम मंजूरी देने के लिए यूरोपीय संघ की परिषद को प्रस्ताव भेज दिया है। इसके साथ समझौते का अंतिम कानूनी मसौदा और शुल्क से जुड़ी सूची भी भेजी गई है। इस समझौते को दोनों पक्षों के बीच अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक समझौता बताया जा रहा है। इसके तहत भारत से यूरोपीय संघ को भेजे जाने वाले 93 फीसदी सामान को शुल्क मुक्त बाजार पहुंच मिलने की संभावना है। इसका मतलब है कि भारतीय निर्यातकों को यूरोप के बाजार में अपना सामान बेचने के लिए कई उत्पादों पर आयात शुल्क नहीं देना होगा। इससे भारतीय उत्पादों की कीमतें प्रतिस्पर्धी हो सकती हैं और यूरोप में उनकी मांग बढ़ने का अवसर मिलेगा।

भारत और यूरोपीय संघ के व्यापारिक रिश्ते महत्वपूर्ण

यूरोपीय संघ अलग-अलग देशों के समूह के रूप में भारत का सबसे बड़ा वस्तु व्यापारिक साझेदार है। इसका मतलब है कि भारत और यूरोप के बीच सामानों का आयात-निर्यात काफी बड़े स्तर पर होता है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ के लिए भारत वैश्विक स्तर पर वस्तुओं के कारोबार में नौवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सेवाओं के क्षेत्र में भारत की स्थिति और मजबूत है। इस क्षेत्र में भारत यूरोपीय संघ का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। मुक्त व्यापार समझौता लागू होने के बाद वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार को और विस्तार मिलने की उम्मीद है। इससे दोनों पक्षों के बीच निवेश और व्यापार के नए अवसर भी बन सकते हैं।

दो दशक से अधिक समय तक चली बातचीत

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत दो दशक से अधिक समय तक चली है। इस दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश हुई। आखिरकार दोनों पक्षों ने 27 जनवरी 2026 को बातचीत पूरी कर ली। अब समझौते पर हस्ताक्षर और अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इसे 'सभी समझौतों की जननी' भी कहा जा रहा है, क्योंकि इससे दुनिया की दो बड़ी आर्थिक शक्तियों के बीच व्यापार का दायरा बढ़ सकता है। भारत के लिए यूरोप के बड़े बाजार में निर्यात बढ़ाने का अवसर होगा।

टैक्स राहत के बाद बही-खाते चमके

कंपनियों का शुद्ध लाभ 33% बढ़ा

फीकी हो रही वेतन-रोजगार की रफ्तार



नई दिल्ली,एजेंसी

कॉरपोरेट कंपनियों का मुनाफा तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके मुकाबले कर्मचारियों के वेतन और रोजगार सृजन की रफ्तार कमजोर बनी हुई है।

एल्युमिनियम एक्सटूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र बजाज के मुताबिक, रोजगार सृजन में छोटे उद्योगों की भूमिका अहम है, पर बड़ी कंपनियों को मिलने वाली रियायतों का लाभ एमएसएमई क्षेत्र को उसी अनुपात में नहीं मिल पा रहा है। इस बीच कंपनियों के बढ़ते मुनाफे और कर्मचारियों की आय के बीच का अंतर आर्थिक नीतियों पर बहस का विषय बन गया है। सस्ते एल्युमिनियम का निर्यात और वियतनाम जैसे देशों से कम कीमत पर तैयार उत्पादों का आयात छोटे उद्यमियों के सामने चुनौती खड़ी कर रहा है।

मुनाफे में 22.3% वृद्धि रोजगार में 1.5% इजाफा

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के आंकड़े भी कंपनियों के मुनाफे और रोजगार के बीच बड़े अंतर को दिखाते हैं। इसके मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनियों के मुनाफे में 22.3 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि रोजगार में बढ़ोतरी महज 1.5 फीसदी रही। करीब 4,000 सूचीबद्ध कंपनियों की बिक्री लगभग छह फीसदी बढ़ी, जबकि कर्मचारियों पर खर्च में 13 फीसदी की वृद्धि हुई। यह पिछले साल की 17 फीसदी वृद्धि से कम थी। सर्वेक्षण के मुताबिक, निफ्टी-500 कंपनियों का मुनाफा-जीडीपी अनुपात भी 4.8 फीसदी के 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

ब्रिकवर्क रेटिंग्स की ताजा रिपोर्ट

7% की रफ्तार से दौड़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, लेकिन महंगाई चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक राहत भरी और साथ ही सतर्क करने वाली खबर सामने आई है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में देश की वास्तविक जीडीपी ॉ वृद्धि दर लगभग 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च (कैपेक्स), मजबूत घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र (सर्विसेज) की तेज रफ्तार इस विकास दर को सहारा दे रही है। हालांकि, आम आदमी और उद्योग जगत के लिए महंगाई का दबाव अब भी सबसे बड़ा



रोड़ा बना हुआ है, जिसके चलते आने वाले दिनों में कर्ज और महंगे हो सकते हैं। ब्रिकवर्क रेटिंग्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत की विकास रफ्तार को घरेलू मजबूती और सेवा निर्यात का मजबूत संबल मिल रहा है।

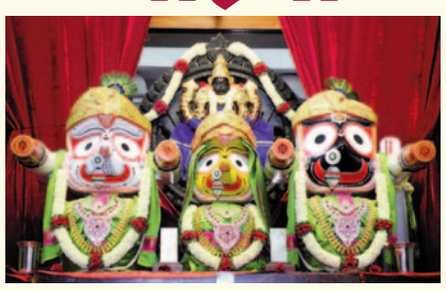
सरकारी पूंजीगत व्यय 6.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 6.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को भारी गति मिली है। अक्टूबर महीने में सर्विसेज पीएमआई बढ़कर 55.8 और कंपोजिट पीएमआई 56.2 पर पहुंच गया। वहीं सितंबर में औद्योगिक उत्पादन में 6.7 प्रतिशत और मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में 7.6 प्रतिशत की ठोस बढ़त दर्ज की गई। त्योहारी मांग और आयात से जुड़ी मजबूत प्राप्तियों के दम पर अक्टूबर में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत उछलकर 2.31 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

महंगाई के मोर्चे पर तस्वीर चिंताजनक

जीडीपी के मजबूत आंकड़ों के उलट, महंगाई के मोर्चे पर तस्वीर चिंताजनक बनी हुई है। अक्टूबर में खुदरा महंगाई सितंबर के 5.54 प्रतिशत से उछलकर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिसने भारतीय रिजर्व बैंक के 6 प्रतिशत के सुरक्षित ऊपरी दायरे को पार कर दिया है। खाद्य महंगाई दर 8.94 प्रतिशत और सितंबर में थोक महंगाई 11.39 प्रतिशत पर दर्ज की गई। लगातार बने हुए मूल्य दबाव के कारण सख्त मौद्रिक नीति जारी रहने के आसार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई दिसंबर 2026 की समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट (0.25%) की बढ़ोतरी कर सकता है, जिससे नीतिगत रेपो दर बढ़कर 5.75 प्रतिशत हो जाएगी।

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा



पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।



दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।



वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें: यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें: सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें: सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप: यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।



वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत: वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत: घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।



पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।



स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।